मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 14
रविवार, 20 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे पर दो अलग अलग दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत, 19 घायल अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 19 जुलाई। यमुना एक्सप्रेसवे पर एक मिनी वैन और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, पुलिस ने शनिवार को बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया, यह हादसा तड़के करीब तीन बजे माइलस्टोन 140 पर हुआ। आगरा जा रही मिनी वैन एक भारी वाहन से टकरा गई, संभवतः चालक को नींद आ जाने के कारण। उन्होंने आगे बताया, छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बलदेव पुलिस थाना अंतर्गत दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी शनिवार को पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा, पहली घटना शनिवार को तड़के तीन बजे उस समय हुई जब आगरा जा रही एक मिनी बस संभवतः ड्राइवर को झपकी आने से एक भारी वाहन से टकरा गई जिससे घटनास्थल पर ही छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन

लोग एक ही परिवार के हैं जिनमें धर्मवीर (55), उनका बेटा रोहित (20) और छोटा बेटा आर्यन (16) आगरा के हरलालपुर गांव के निवासी हैं। अन्य मृतकों की शिनाख्त दलवीर उर्फ फुल्ले (26) और उसका भाई पार्थ सिंह (22) निवासी मुरैना (मध्य प्रदेश) एवं दुष्यंत (22) निवासी अमेठी के रूप में की गई है। श्लोक कुमार ने बताया कि इस दुर्घटना में सोनी (55) और पायल (18) गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं, जबकि गंभीर रूप से घायलों को आगरा में कृष्णा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस को शवों को वाहन से बाहर निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक अन्य दुर्घटना सुबह करीब चार बजे घटी जिसमें दिल्ली से मध्य प्रदेश जा रही एक निजी बस पलट गई।

इस दुर्घटना में घायल 17 लोगों में से आठ लोगों को मथुरा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि नौ अन्य को आगरा में एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत स्थिर है।

उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया, अब मोदी जी संवार रहे : अमित शाह

रुद्रपुर, 19 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि आज यहाँ 1,271 करोड़ रुपये के पाँच उद्घाटन और 14 शिलान्यास हुए। जब उत्तराखंड के लोग राज्य की माँग के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी ने उत्तराखंड के आंदोलनकारियों पर अत्याचार किए। उत्तराखंड बनाने का काम भाजपा के नेता और हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। लेकिन बाद में, राज्य के विकास के विशेषज्ञ इस पर बहस करने लगे कि छोटे राज्यों का विचार सफल होगा या नहीं।

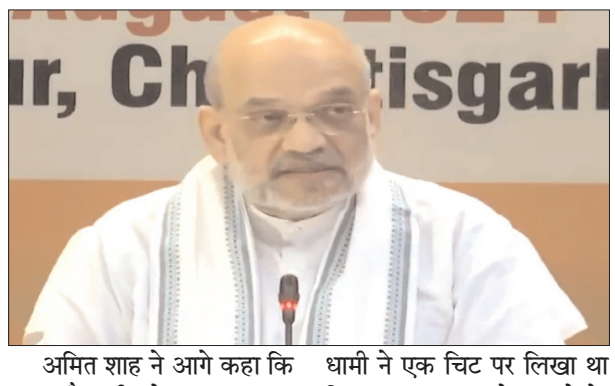

अमित शाह ने आगे कहा कि आज मैं सभी को बताना चाहता हूँ, अटल जी ने तीन राज्यों का निर्माण किया था - उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड। ये तीनों राज्य अपने पैरों पर खड़े होकर आगे बढ़ने लगे। उन्होंने कहा कि मैं जब भी उत्तराखंड आता हूँ, एक नई ऊर्जा लेकर लौटता हूँ... जब 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी, तो सीएम पीएस धामी ने एक चिट पर लिखा था कि 3.56 लाख करोड़ रुपये के टङ्गव आ चुके हैं। मैंने पुष्कर धामी से कहा था कि टङ्गव लाने में कोई बहादुरी नहीं होती, बहादुरी तो उन्हें जमीन पर उतारने में होती है। आज मैं पीएस धामी और उनकी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि आज 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश जमीनी हकीकत बन गया है।

प्रशिक्षण है स्वर्णिम अवसर, बनाएं खुद को श्रेष्ठ आरक्षी : पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल

वाराणसी। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा जेटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु आरक्षियों के लिए खाना का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त ने न केवल प्रशिक्षुओं प्रशिक्षण काल को बताया जीवन का 'सुनहरा समय', अनुशासन और कार्यशैली सराहना भी की. आरटीसी में साइबर अपराध, ए आई, ड्रोन व कंप्यूटर विजन जैसे तकनीकी विषयों की मिलेगी ट्रेनिंग साथ भोजन कर उनका उत्साह बढ़ाया, बल्कि उन्हें टीम भावना, अनुशासन और आधुनिक पुलिसिंग के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त ने कहा जेटीसी प्रशिक्षण हर आरक्षी के जीवन की नींव है। यह वह वक्त है जब एक सामान्य युवक

एक ज़िम्मेदार पुलिसकर्मी में ढलता है। अनुशासन, सेवा भाव और कानून की समझ – यही उसकी असली पहचान बनते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं के अब तक के 30 दिन के अनुभवों को जाना, उनके कार्य-आचरण की सराहना की और भविष्य के प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई। अब ये सभी प्रशिक्षु आरक्षक आरटीसी प्रशिक्षण के लिए तैयार हैं, जहां उन्हें आधुनिक अपराधों की समझ, तकनीक का प्रयोग, और साइबर सिक्योरिटी से लेकर ड्रोन और ए आई तक का प्रशिक्षण मिलेगा। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरि मीना, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश सिंह, पुलिस उपायुक्त लाइन प्रमोद कुमार, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा अनिल कुमार यादव, पुलिस उपायुक्त अपराध सरवणन टी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में भ्रष्टाचार का बड़ा पर्दाफाश

- वीडीए में 25 हजार की घूस लेते रंगेहाथ पकड़े गए एई-जेई, एंटी करप्शन की छापेमारी से मचा हड़कंप
- वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) का भ्रष्टाचार फिर बेनकाब
- एंटी करप्शन टीम ने कार से बरामद की 25 हजार की रिश्वत

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में विकास के नाम पर गठित वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) भ्रष्टाचार का पर्याय बनता जा रहा है। शनिवार को एंटी करप्शन टीम ने एक बड़ी कार्रवाई में वीडीए के अवर अभियंता (जेई), सहायक अभियंता (एई) समेत तीन कर्मचारियों को 25 हजार रुपये की घूस लेते रंगेहाथ धर दबोचा। यह रकम एक शिकायतकर्ता से नक्शा पास कराने के नाम पर मांगी जा रही थी।

कार में हो रही थी सौदेबाजी, वहीं हुई गिरफ्तारी: रामनगर के रहने वाले अजय कुमार गुप्ता ने जब इसकी शिकायत लखनऊ मुख्यालय स्थित एंटी करप्शन संगठन से की, तो शनिवार को ट्रैप टीम ने पड़ाव स्थित वीडीए कार्यालय के बाहर जाल बिछाया। जैसे ही तीनों कर्मचारी कार में अजय गुप्ता से 25 हजार रुपये लेते पकड़े गए, टीम ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया। कार से पूरी रकम बरामद कर ली गई और आरोपी कर्मचारियों को तत्काल हिरासत

में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। इस कार्रवाई की खबर फैलते ही वीडीए कार्यालय में हड़कंप मच गया।

नामजद आरोपी कौन?: सूत्रों के अनुसार, जिन कर्मचारियों को पकड़ा गया है, उनमें एक सहायक अभियंता (अए), एक अवर अभियंता (खए) और एक लिपिक शामिल है। तीनों का लंबा समय से रामनगर, भेलूपुर और नगवां क्षेत्र के भवन नक्शा स्वीकृति व निर्माण निरीक्षण से जुड़ा काम रहा है। इन्हीं के जरिए अधिकतर नक्शा पास कराना हो या अवैध निर्माण बचाना हो जैसी चचाएँ आम हो गई थीं।

वीडीए—नाम विकास का, काम विनाश का: वाराणसी विकास प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। भूमाफियाओं से मिलीभगत, बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण, मनमानी वसूली, और आम नागरिकों को अनावश्यक नियमों में फंसाकर रिश्वत मांगने की प्रवृत्ति इस विभाग को बदनाम कर चुकी है। प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट 'काशी विश्वनाथ कॉरिडोर', 'काशी स्मार्ट सिटी', और 'हर घर जल योजना' जैसी योजनाओं के बीच ऐसे भ्रष्टाचार की घटनाएं न केवल सरकार की छवि धूमिल करती हैं, बल्कि नागरिकों का भरोसा भी तोड़ती हैं।

उत्तराखंड में कुमाऊं क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी

उत्तराखंड, 19 जुलाई। उत्तराखंड गढ़वाल में काफी समय से तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा कि राज्य के पहाड़ी जिलों में भूस्खलन की घटनाएँ बढ़ सकती हैं और सभी को सतर्क रहने की सलाह दी। अपने नियमित बुलेटिन में, आईएमडी ने कहा कि अगले एक सप्ताह तक पूरे राज्य में भारी बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने राज्य के देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, नैनीताल और बागेश्वर जिलों में बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

वहीं ताजा जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश होने का पूवार्नुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि कुमाऊं क्षेत्र

के नैनीताल, चंपावत और उधम सिंह नगर में रविवार को भारी बारिश होने की संभावना है। इसने गढ़वाल क्षेत्र के देहरादून, टिहरी और पौड़ी जिलों के साथ-साथ कुमाऊं के बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूवार्नुमान किया है और इसके लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर जिला प्रशासन को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने, मौके पर त्वरित कार्रवाई करने और आपात स्थिति में सूचनाओं के तुरंत आदान-प्रदान सहित आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए कहा गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के उपसचिव शिवशंकर मिश्रा द्वारा जिलाधिकारियों को जारी पत्र में कहा गया कि प्रत्येक पुलिस थाने और चौकी पर आपदा संबंधी उपकरण और वायरलेस सेट तैयार रखे जाएं।

पत्र के अनुसार, संबंधित आपदा प्रबंधन अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है, जबकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) औरकेंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) सहित विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी अवरोध की स्थिति में सड़क साफ करने का कार्य तुरंत शुरू किया जाए।

पत्र में कहा गया है कि सभी राजस्व पुलिस उपनिरीक्षकों, ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने-अपने स्थान पर रहने के लिए कहा गया है। इसमें कहा गया कि इस अवधि के दौरान किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का मोबाइल फोन बंद नहीं रहना चाहिए।

आगरा में अवैध धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय संबंध मिले

आगरा, 19 जुलाई। आगरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह शहर में इस तरह के दूसरे रैकेट का पदार्फाश है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। अवैध धर्मांतरण में शामिल कुल 10 लोगों को आगरा से गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियाँ छह राज्यों में समन्वित छापेमारी के बाद की गईं। डीजीपी के अनुसार, जाँच में पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों के साथ-साथ एक पाकिस्तानी आतंकवादी से भी संबंध होने का पता चला है। यह अभियान विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की मदद से चलाया गया। आगे की जाँच से पता चला है कि आरोपियों के अंतरराष्ट्रीय संबंध थे, जिनमें कनाडा, दुबई और लंदन से जुड़े तार शामिल थे। जाँच के दौरान अधिकारियों को कट्टरपंथ और 'लव जिहाद' की घटनाओं से जुड़े सबूत मिले हैं। पश्चिम बंगाल, गोवा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप कई गिरफ्तारियाँ हुईं। पकड़े गए लोगों को गोवा, कोलकाता, आगरा, मुजफ़्फरनगर, देहरादून, जयपुर और दिल्ली जैसे स्थानों से पकड़ा गया। इससे पहले, यूपी एटीएस ने छांगुर बाबा गिरोह से कथित संबंध के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उस पर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के जरिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के जरिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोप है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

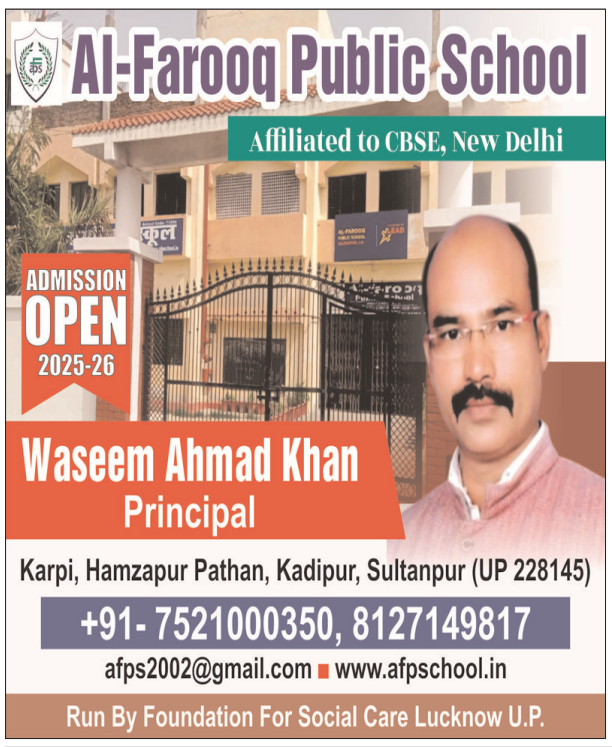

स्कूलों को उड़ाने की धमकियां: सुरक्षा पर मंडराता खतरा

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछ ही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं। इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई।

मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है। ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गईं, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यतः साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है।

इन डराने एवं खौफ पैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है। धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है। इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने स्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है।

इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है। शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वास्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें। स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह बड़ा मौका है कि वे अपनी योग्यता प्रमाणित करें। दोषियों तक जल्द पहुंचने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। धमकियां अगर साइबर माध्यम से आ रही हैं, तो क्या हम उनके स्रोतों तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते हैं? कोई दोराय नहीं कि अगर ऐसी धमकियों को रोका न गया, तो इससे विशेष रूप से खुफिया एजेंसियों की साख पर बट्टा लगेगा। अतः ऐसी धमकियों के प्रति अत्यधिक गंभीरता बरतने की जरूरत है। इस तरह की ईमेल धमकियों का सूत्रधार अक्सर विदेशी या वर्चुअल नेटवर्क होते हैं। भारत को अपनी साइबर सेल को और अधिक प्रशिक्षित, तकनीकी और संसाधन-सम्पन्न बनाना होगा ताकि ऐसी साजिशों की जड़ तक पहुँचा जा सके। ध्यान रखना होगा कि स्कूल केवल इमारतें नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के कारखाने हैं। वहां डर और आतंक का माहौल नहीं, बल्कि ज्ञान और विश्वास की नींव मजबूत होनी चाहिए। आज की आवश्यकता है कि सरकार, प्रशासन, स्कूल प्रबंधन, अभिभावक और समाज मिलकर ऐसी धमकियों को केवल सुरक्षा का मुद्दा न मानें, बल्कि इसे राष्ट्रहित और बच्चों के भविष्य के संकट के रूप में देखें। जब तक स्कूलों में सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं होगी, तब तक शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल नहीं हो सकेगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इन घटनाओं पर सख्त होना होगा, अन्यथा जो देश अपने बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकता, वह अपने भविष्य को खो देता है।

बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खड़काया

अशोक भाटिया

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में महिलाओं के खिलाफ 'अत्याचार' की घटनाओं को उजागर करते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर निशाना साधा। दुर्गापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने टीएमसी का नाम लिए बिना कहा कि एक पार्टी 'माँ, माटी और मानुष' की बात करती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ घटनाएं दर्द और गुस्सा भड़काती हैं।उन्होंने कहाकि जो पार्टी 'मां, माटी और मानुष' की बात करती है - उनके शासन वाले राज्य में बेटियों के साथ जो हो रहा है, उससे गुस्सा और दर्द होता है।।। पश्चिम बंगाल में बेटियों के लिए अस्पताल भी सुरक्षित नहीं हैं। एक महिला डॉक्टर के खिलाफ अत्याचार के बारे में सभी जानते हैं। दोषियों को दंडित करने के बजाय, टीएमसी सरकार ने उन्हें बचाना शुरू कर दिया। एक महिला के खिलाफ ऐसी ही एक और घटना एक कॉलेज में हुई, जिसका संबंध टीएमसी से है। टीएमसी के प्रमुख नेता और मंत्री दोषियों के बजाय पीड़ितों को ही दोषी ठहराना शुरू कर देते हैं।उन्होंने कहा हमारे लिए बंगाली गौरव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। लेकिन पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है? टीएमसी ने अपने फायदे के लिए पश्चिम बंगाल की पहचान को खतरे में डाल दिया है। वे घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे हैं और घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज हासिल करने में मदद कर रहे हैं। इसके लिए अब एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो गया है। यह बंगाली संस्कृति के लिए खतरा है। तुष्टिकरण के लिए टीएमसी ने सारी हदें पार कर दी हैं।

पश्चिम बंगाल में, दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर मनाई जाती है, जहाँ महिलाओं को शक्ति और माँ के रूप में पूजा जाता है। इस भूमि में, ममता बनर्जी के रूप में एक महिला मुख्यमंत्री की शक्ति के बावजूद, क्रूर बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनमें सत्तारूढ़ दल से जुड़ी घटनाएं भी शामिल हैं जो आपको इसके बारे में सोचने पर मजबूर करता है।

हमारे कानून में भी कड़े प्रावधानों के बावजूद, समय पर सुनवाई, फैसले और सजा के निष्पादन की धीमी गति अक्सर अपराधियों को लाभ पहुंचाती है। अक्सर, मामलों की जांच में लंबा समय लगता है, न्यायिक प्रक्रिया में वर्षों की देरी होती है, और इस दौरान अपराधी या तो जमानत पर बाहर आ जाता है या उसके पास सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का अवसर होता है। अपराधी के बचने के लिए कानून में सैकड़ों तरीके हैं। अपराधी इस बात को बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि वे लगातार ऐसे गंभीर अपराध करने की हिम्मत करते हैं। फास्ट ट्रैक अदालतों की अवधारणा के बावजूद, ऐसे मामलों में न्याय तक त्वरित पहुंच अभी भी एक बड़ी चुनौती है। आज की दुनिया में, राजनीति और सत्ता का खेल अक्सर महिलाओं की रक्षा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। संदेशखली इसका जीता-जागता उदाहरण है। राजनीतिक संरक्षण और अपराधियों को सजा देने में देरी के आरोप थे। वोट की राजनीति ने अपराधियों को बेखौफ बना दिया है। महिलाओं की सुरक्षा के प्रति राजनीतिक दलों का अविवेकी रवैया अपराधियों को और बढ़ावा दे रहा है। जब सत्ताधारी दल की ओर से बार-बार ऐसे मामले सामने आते हैं, तो आश्चर्य होता है कि क्या वास्तव में कानून का शासन स्थापित हो गया है।

पुरुष अराजकतावादी विचारधारा महिलाओं की सुरक्षा पर हावी है, और आज समाज ने महिलाओं को शिक्षा की स्वतंत्रता और प्रगति का अवसर दिया है; लेकिन क्या आपकी मानसिकता वास्तव में बदल गई है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी हम पुरुष अराजकता की गुलामी से पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाए हैं: महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं और महत्वपूर्ण पदों पर कब्जा कर सकती हैं; लेकिन इसका क्या मतलब है अगर वे सड़क से कार्यस्थल तक हर जगह असुरक्षित हैं? छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न और बलात्कार जैसी घटनाएं हमारी सोच में बड़े विरोधाभासों के प्रमाण हैं। एक तरफ हम महिलाओं को देवी मानते हैं और दूसरी तरफ हम आनंद की वस्तु हैं। दुर्गा माता और ममता दीदी की धरती पर हुए ये अपराध हमें आत्मनिरीक्षण करने के लिए मजबूर करते हैं। ये सिर्फ कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक चेतना का सवाल है। आज हमें न सिर्फ कानूनों को मजबूत करना है बल्कि उनका तेजी से, प्रभावी कार्यान्वयन भी सुनिश्चित करना है। सबसे महत्वपूर्ण बात, हमें पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलना होगा और किसी भी स्थिति में महिलाओं की रक्षा करनी होगी। ऐसे सवालों का संतोषजनक जवाब तब तक नहीं मिलेगा जब तक समाज का हर वर्ग, हर व्यक्ति इस दिशा में काम नहीं करता। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में बलात्कार के तीन मामले सामने आए। बड़ी घटनाओं ने न केवल कानून और व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए हैं, बल्कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक ढांचे पर भी सवाल उठाए हैं, इन मामलों में शामिल कई आरोपी सीधे या तृणमूल कांग्रेस से जुड़ी छात्र राजनीति से बाहर आए हैं। जून 2025 में, एक प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज के छात्र के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, जिससे पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया। कॉलेज के वरिष्ठ छात्र को मोनोजीत मिश्रा ने धोखा दिया और बाद में उसके दोस्तों प्रमित मुखोपाध्याय और जैब अहमद के साथ योजनाबद्ध तरीके से बलात्कार किया। इतना ही नहीं, बल्कि वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। जिसका इस्तेमाल पीड़िता को ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था। जांच में पता चला कि मोनोजीत और प्रमित तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा तृणमूल छात्र परिषद से जुड़े थे और कॉलेज में संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के उनके वीडियो भी सामने आए हैं।

आरजी कर मेडिकल अस्पताल में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आरोपी संजय रॉय 2019 में एक नागरिक स्वयंसेवक के रूप में कोलकाता पुलिस में शामिल हुए थे। लेकिन उन्होंने खुद को पुलिस कल्याण सेल में स्थानांतरित करने के लिए 'उचित संबंधों' का इस्तेमाल किया और आर जी। कर अस्पताल में पोस्टिंग प्राप्त की। जांच से पता चला कि रॉय लंबे समय से अस्पताल परिसर में रह रहे थे। उनके पास महिला वार्ड तक निर्बाध पहुंच थी। यहीं पर उसने एक युवा प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। इससे न केवल पुलिस की विफलता उजागर हुई, बल्कि यह भी उजागर हुआ कि कैसे एक आदमी राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण में लंबे समय तक अपराध करता रहा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली इलाके में यौन उत्पीड़न का मामला शक्ति और अपराध के बीच संबंध का सबसे खराब उदाहरण बनकर सामने आया।

यहां गांव की कई महिलाएं खुलकर सामने आईं और उन पर वर्षों तक शारीरिक शोषण और जमीन कब्जाने के आपराधिक कृत्यों का सामना करने का आरोप लगाया। संदेशखली में महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। नेटवर्क चलाने वाले तीन मुख्य आरोपी शाहजहां शेख, शीबा हाजरा और उत्तम सरदार हैं। शाहजहां को स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता और सरकार का प्रभावशाली चेहरा माना जाता था। शीबा प्रसाद पंचायत पद पर थे। उत्तम सरदार तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता थे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक छात्रा के सामूहिक बलात्कार के मामले की सुनवाई करते हुए शिक्षण संस्थानों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार को पश्चिम बंगाल के उन कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ कक्षों को बंद करने का निर्देश दिया, जहां चुनाव नहीं हुए हैं। इन छात्र संघ कक्षों में किसी भी तरह का मनोरंजन या व्यक्तिगत गतिविधि प्रतिबंधित रहेगी। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज का छात्र संघ कक्ष पूरी तरह से सील रहेगा।

इसे किसी भी परिस्थिति में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि मामला सीधे कॉलेज से जुड़ा हुआ है और जांच जारी है। मामले का मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा पहले कॉलेज का छात्र नेता था और उसने यूनियन रूम को धमकी और शोषण का अड्डा बना दिया था। मिश्रा को कॉलेज के अस्थायी कर्मचारी के रूप में भी नियुक्त किया गया था। इस गंभीर अपराध में शामिल अन्य दो आरोपी, जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी भी कॉलेज के वरिष्ठ छात्र हैं। सवाल यह नहीं है कि यहां आरोपी कौन हैं। सवाल यह है कि सरकार उनके पीछे क्यों खड़ी है? तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा कहा है कि कानून अपना काम करेगा; लेकिन अगर कानून आरोपी के हाथों की कठपुतली की तरह व्यवहार करता है, तो आश्चर्य होता है कि कौन कार्रवाई करेगा। यहां एक के बाद एक जो घृणा अपराध सामने आए हैं, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि सत्ता के साथ संबंध, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अपराधियों के मनोबल को बढ़ावा दे रहा है।

जंगलराज शब्द कभी विपक्ष का हथियार, अब सत्ता की बेबसी

-अजय कुमार

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में जंगलराज शब्द महज एक आरोप नहीं, बल्कि दशकों से सत्ता बदलने का सबसे कारगर हथियार रहा है। लालू-राबड़ी शासन के वक्त अगर कोई एक लाठी सबसे ज्यादा चली तो वो थी जंगलराज के नाम की। नीतीश कुमार ने इसी के दम पर खुद को सुशासन बाबू के तौर पर गढ़ा और एनडीए की गाड़ी को पटरी पर रखा। लेकिन आज वही जंगलराज फिर से चर्चा में है, फर्क बस इतना है कि बोलने वाले अब विरोधी हैं और चुप रहने वाले सत्ताधारी।बीते दो महीनों की घटनाएँ देखिए राजधानी पटना के बीचों बीच दिनदहाड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मार दी जाती है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर व्यापारी का मर्डर बताता है कि अपराधियों को अब पुलिसिया कार्रवाई की परवाह नहीं रही। इससे पहले पारस अस्पताल में इलाजरत कुख्यात गैंगस्टर की हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या कर दी जाती है। पांच शूटर आते हैं, गोली मारते हैं और आराम से भाग जाते हैं। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की भी हिम्मत नहीं होती और पुलिस पहुँचने से पहले बदमाश फरार हो जाते हैं। बाद में पुलिस ताबड़तोड़ गिरफ्तारी दिखा कर अपनी पीठ थपथपा लेती है, मगर आम लोग सवाल पूछते हैं क्या यही सुशासन है?

नीतीश कुमार के लिए ये हालत कितनी मुश्किल हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाइए कि जो जंगलराज कभी उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा था, वो अब कहीं सुनाई नहीं देता। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम मोदी की विशाल रैली में भी जंगलराज शब्द मंच से गायब रहा। जबकि यही मंच कभी लालू-राबड़ी शासन को घेरने का सबसे बड़ा हथियार होता था। मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी, विकास के आंकड़े गिनाए, लेकिन बिहार की सड़कों पर पसरी दहशत पर कुछ नहीं कहा।अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जंगलराज का जिक्र सत्ता पक्ष के लिए बोझ बन गया? दरअसल ये शब्द अब बूमरैंग बन चुका है। विपक्ष इसे लालू यादव के बीते दौर के बजाय नीतीश के मौजूदा कार्यकाल से जोड़ रहा है। तेजस्वी यादव बार-बार कह रहे हैं कि जब हर रोज मर्डर हो रहे हैं, अस्पतालों में गैंगवार हो रहा है, व्यापारी कत्ल हो रहे हैं तो ये जंगलराज किसका है? सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने लिखा ह्यगुंडे सम्राट बन बैठे हैं और पुलिस अधिकारी बेबस रंक ह्व यही तंज नीतीश सरकार को सबसे ज्यादा चुभ रहा है।

इसका बड़ा कारण यह भी है कि नीतीश सरकार के पास फिलहाल अपराध पर सख्त कार्रवाई का कोई ठोस खाका नजर नहीं आ रहा है। सिवान में एक ही रात में तीन लोगों की हत्या, नालंदा में दोहरी हत्या और पटना में खुलेआम गैंगवार ये सब अलग-थलग घटनाएँ नहीं हैं। ये हालात सरकार की कमजोर पकड़ और पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये को दिखा रही हैं। डीजीपी ने हाल ही में कहा कि खेती-किसानी के खाली समय में बेरोजगारी के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अपराध बेरोजगारी से बढ़ रहे हैं तो बीते बीस साल में सरकार ने रोजगार देने के लिए कौन-सी ठोस नीति अपनाई? ऊपर से पुलिस के बड़े अधिकारी अब किसानों को अपराध का कारण बताकर बचना चाहते हैं और विपक्ष इसी बयान को जनता के बीच भुनाने में लगा है।

दूसरी तरफ बीजेपी भी उलझन में है। जंगलराज शब्द छेड़ने पर बिहार के वोटर सवाल पूछेंगे कि जब करीब डेढ़ दशक तक आप सत्ता में हिस्सेदार रहे, तो फिर हालात क्यों बिगड़ गए? यही वजह है कि पीएम मोदी ने भी लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के वार तो किए, लेकिन जंगलराज की लाठी निकालने से बचते दिखे। एनडीए की पूरी रणनीति अब विकास योजनाओं और केंद्र की सौगातों पर टिकी है ताकि लोग अपराध की बात भूल जाएँ। पर क्या वाकई लोग भूल जाएंगे? यहाँ समाज का नजरिया भी बदल रहा है। पहले जाति ही राजनीति का सबसे बड़ा बंधन थी। लालू यादव की राजनीति इसी जातीय समीकरण के दम पर चमकी। नीतीश ने विकास और कानून-व्यवस्था को जाति से बड़ा मुद्दा बना दिया था। लेकिन अब सुशासन बाबू के राज में ही कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में है। छोटे व्यापारी डरे हुए हैं, बड़े कारोबारी बच्चों को बाहर भेजने की तैयारी में हैं और गांव-कस्बों में अपराधियों के हौसले देखकर लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं।कई व्यापारी संगठन मांग उठा रहे हैं कि बिहार में यूपी जैसा बुलडोजर मॉडल लागू हो। यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलता है तो बिहार में क्यों नहीं? यह सवाल एनडीए को अंदर ही अंदर परेशान कर रहा है। लोजपा के चिराग पासवान ने भी इसी तर्ज.पर कहा कि पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत है और सरकार को सख्ती से काम लेना चाहिए। यानी एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं। भीतर ही भीतर ये दबाव है कि कहीं अपराध मुद्दा बन गया तो विकास के सारे दावे बेमानी साबित हो जाएंगे।

सियासी गलियारों में अब चर्चा ये भी है कि जंगलराज शब्द का इस्तेमाल अब खुद लालू यादव को भी फायदे में डाल सकता है। विपक्ष इसे मौजूदा हालात से जोड़कर जंगलराज के पुराने टैग को पलटकर नीतीश के सिर बांध रहा है। यही वजह है कि जंगलराज बोलना अब खुद एनडीए के लिए जोखिम भरा है।लेकिन सबसे बड़ा सवाल जनता के मन में यही है कि बिहार किस दिशा में जाएगा? क्या अपराध के डर से लोग फिर से उसी पुराने दौर की तरफ लौटेंगे जब शाम होते ही सड़कें सुनसान हो जाया करती थीं? क्या सुशासन की कहानी महज नारे में सिमट जाएगी? या फिर चुनाव के वक्त एनडीए कोई नया कार्ड चलकर हालात संभाल लेगी? यह चुनाव बताएगा कि बिहार की जनता अब जाति के नाम पर वोट देगी या अपराध और रोजगार जैसे मुद्दों को असली कसौटी बनाएगी। फिलहाल हालात ये हैं कि जंगलराज का नाम भले मंच से गायब हो गया हो, लेकिन उसकी परछाईं हर गली-कूचे में लौट आई है। सड़कों पर बढ़ती गोलियां, व्यापारियों की डरती निगाहें और विपक्ष का बढ़ता हमला ये सारी तस्वीरें बता रही हैं कि बिहार का जंगलराज शब्द अब नेताओं के हाथ में नहीं, हालात की हकीकत में पल रहा है।

ठाकुर प्रसाद सिंह के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह ने किया साकार

श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह के जन्मदिन पर विशेष

जनपद के पश्चिमांचल में सुल्तानपुर- जौनपुर के अंतिम छोर पर कालनेमि की वधस्थली बिजेथुआ महावीरन के समीप, बाबा रामयज्ञ दास जी महाराज की पावन तपोस्थली समोधपुर में श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर स्थित है। गांधी स्मारक विद्यालय संकुल समोधपुर के संस्थापक, क्षेत्र के लिए शिक्षा के मालवीय, क्षेत्र के चतुर्दिक विकास के सूत्रधार ठाकुर प्रसाद सिंह के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को बतौर प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह ने साकार किया इसमें कोई संदेह नहीं है। स्वर्गीय संस्थापक 'सिंह' ने नागरिकता, सभ्यता, मानवता और विकासवादी विचारधारा का सूत्रपात विद्यालय स्थापित करके किया। संस्थापक की संकल्पना को साकार करने के लिए डॉ. सिंह ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। अप्रैल सन 1989 में प्रधानाचार्य के रूप में उन्होंने विद्यालय का कार्यभार संभाला।

उनके सामने अनेकों चुनौतियां थीं जिनका उन्होंने साहसिक ढंग से सामना करते हुए अपने कर्तव्य का ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन किया। प्रधानाचार्य के

डॉ. रणजीत सिंह

कार्यकाल में नकल विहीन परीक्षा, उत्तम परीक्षा परिणाम, प्रतियोगी परीक्षाओं में राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों का चयन होने से विद्यालय को विशिष्ट पहचान मिली। उन्होंने छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता परक शिक्षा और नकल विहीन परीक्षा का सकारात्मक माहौल देकर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाया। इनके नेतृत्व, मार्गदर्शन और और दिशा निर्देश में विद्यालय की प्रतिभाएं देश-विदेश में नाम रोशन करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं। इन्होंने शिक्षा का इस प्रकार से स्वस्थ माहौल दिया जिससे न्याय, पत्रकारिता, विज्ञान, अंतरिक्ष, चिकित्सा, कृषि, रक्षा, मूर्तिकला, ज्योतिष, तकनीकी, पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों- संगीत, कला, खेलकूद, एथलेटिक्स आदि क्षेत्रों में गांव की मिट्टी की खुशबू प्रदेश, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल गई। इतना ही नहीं स्काउट गाइड के 700 बच्चों ने राज्यपाल पुरस्कार तथा दो स्कॉट ने राष्ट्रपति पुरस्कार जीतकर अपने नाम किया। राज्य स्तर के अलावा अंतरराष्ट्रीय जंबूरी में भी विद्यालय का दबदबा रहा। इनके ही समय में विद्यालय में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर सुंदरीकरण करके विद्यालय को एक सुंदर एवं भव्य स्वरूप दिया। राष्ट्रीय स्तर पर बाल विज्ञान कांग्रेस में छात्र चयनित हुए। डॉ रणजीत सिंह ने श्री गणेश राय पीजी कॉलेज डोभी में प्रवक्ता तथा श्री गायत्री इंटर कॉलेज रूस्तमपुर रायबरेली में प्रधानाचार्य के पद पर सेवाएं दीं। इसके पश्चात अप्रैल 1989 में श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर में प्रधानाचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया और यहीं के होकर रह गए। शिक्षकों, छात्र-छात्राओं तथा प्रबंध तंत्र से सामंजस्य- संतुलन व समन्वय स्थापित करते हुए शिक्षा की एक बड़ी लकीर खींची। उनके कार्यकाल को यदि विद्यालय संकुल के लिए 'स्वर्ण- काल- कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यालय ने उनके प्रधानाचार्य रहते हुए हर क्षेत्र में प्रगति की, नाम कमाया, विशेष पहचान बनाई, इसमें लेश मात्र भी संदेह नहीं। शिक्षा के प्रति कर्तव्य का निर्वहन करने उत्कृष्ट शिक्षा, नकल विहीन व परीक्षा परिणाम और शिक्षा व्यवस्था में निष्पक्षता और पारदर्शिता लाने के कारण तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने सन् 2015 में शिक्षक पुरस्कार से नवाजा। इंटर कॉलेज समोधपुर से 31 वर्ष 4 महीने तक सेवा करने के पश्चात वह 31 जुलाई सन् 2020 में सेवानिवृत हुए। उनके द्वारा खींची गई शिक्षा की लकीर भी अपने आप में मील का पत्थर साबित हो रही है। वह वर्तमान समय में उ.प्र.भारत स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त व प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद सिंह द्वारा जलाई गई शिक्षा की मशाल को वर्तमान प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू व प्रधानाचार्य डॉ अजेय प्रताप सिंह आगे बढ़ा रहे हैं।

लेखक- रामनरेश प्रजापति पत्रकार, गोल्ड मेडलिस्ट जनसंचार एवं पत्रकारिता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश

अखबारों में साहित्य की हत्या और शब्दकर्मियों की बेइज्जती

- डॉ सत्यवान सौरभ

कभी अखबारों के साहित्यिक पृष्ठों को देश की आत्मा कहा जाता था। वहां सिर्फ खबरें नहीं होती थीं, बल्कि विचार, विवेक और संवेदना की साझी विरासत सांस लेती थी। लेकिन आज जब हम अखबार पलटते हैं, तो खबरें हैं, विज्ञापन हैं, राजनेताओं के प्रवचन हैं, पर कविता, कहानी, ललित निबंध, समीक्षा और विचारधारा का साहित्यिक पक्ष गायब है।

बड़ी विडंबना है कि जो मीडिया प्रेस की स्वतंत्रता और भिव्यक्ति की आजादी का झंडा उठाए घूमता है, उसी ने अपने सबसे जरूरी हिस्से झ्र साहित्य और साहित्यकारों को हाशिए पर धकेल दिया है। अखबारों से साहित्यिक पन्ने चुपचाप गायब कर दिए गए, और जो कुछ बचे हैं, उनमें भी केवल खानापूरी चल रही है। आज भी भारत में हजारों लेखक, कवि, निबंधकार, विचारक अपने मन की बात समाज तक पहुंचाना चाहते हैं। पर उन्हें जगह कहां मिलती है? अगर आप किसी अखबार में साहित्यिक लेख भेजें तो या तो 'संपादक व्यस्त हैं' का जवाब मिलेगा, या कोई जवाब ही नहीं। जवाब मिला तो यह नहीं मालूम कि वह अस्वीकृति है या केवल औपचारिकता। और अगर छप भी गया – तो मानदेय? वो तो जैसे गाली मांग ली हो! कई अखबार बिना एक पैसा दिए लेखकों से नियमित सामग्री प्रकाशित करते हैं। और कुछ जगहों पर तो एक ऐसी व्यवस्था है जिसे लेखक-शोषण का मॉडल कहा जा सकता है – छप कर खुश हो जाइए, पैसे का सवाल मत उठाइए। अब सुनिए ताजा तमाशा –कुछ मीडिया संस्थान अब 'लेखकों को पुरस्कार' देने की योजना बना रहे हैं। वाह! आप पहले लेखकों से मुफ्त में लेख लिखवाते हैं, फिर उन्हें छपने के बदले में 'कृपा' समझते हैं, और अब पुरस्कारों का चारा डालकर आत्मसम्मान की हत्या कर रहे हैं। माना कि पुरस्कारों की परंपरा साहित्य में पुरानी है। लेकिन जब ये पुरस्कार उन हाथों से आने लगें जो लेखकों को रचनात्मक मजदूर नहीं, उपयोग की वस्तु समझते हैं, तो सवाल उठते ही हैं। क्या पुरस्कार उस संस्था की ओर से आना चाहिए जो मानदेय देने तक को बोझ समझती है? अखबारों में बचे हुए जो साहित्यिक कॉलम हैं, वे भी आज क्लबबाजी, गुटबाजी और व्यक्तिगत संबंधों की राजनीति के अड्डे बन चुके हैं। कुछ खास नामों को ही बार-बार छापा जाता है। नये लेखकों को तो जैसे इंट्री ही नहीं। मानदेय के नाम पर महीने भर बाद फोन घुमाइए, मेल भेजिए, और फिर भी... आपका भुगतान प्रक्रिया में है। कभी 'धर्मयुग', 'साप्ताहिक हिंदुस्तान', 'कादम्बिनी', 'नवभारत टाइम्स' जैसे स्तम्भ साहित्य की आवाज थे। आज तो साहित्य शब्द से ही कुछ संस्थानों को एलर्जी हो गई है। पत्रकारिता में कैमरामैन, रिपोर्टर, एंकर, डिजाइनर सभी को वेतन मिलता है। लेकिन लेखकों को अब भी 'हवा का प्राणी' माना जाता है – उन्हें केवल सम्मान की तसल्ली चाहिए, पैसे की नहीं। यह सोच गहरी असंवेदनशीलता की परिचायक है। लेखक कोई शौकिया कलाकार नहीं है, वह समय, श्रम, अध्ययन और संवेदना की मिट्टी से रचना करता है। उसकी लेखनी समाज को दिशा देती है, जनचेतना जगाती है। फिर उसे मजदूरी देने में कंजूसी क्यों? क्या आप पत्रकारिता को बिना विचार के चलाना चाहते हैं? आज का अखबार कॉर्पोरेट और सत्ता के गठजोड़ का माध्यम बनता जा रहा है। लेकिन जो लोग अखबारों को पढ़ते हैं, वे केवल हादसे, घोटाले और राजनीति नहीं चाहते – वे चाहते हैं वो दृष्टिकोण, जो उन्हें सोचने के लिए मजबूर करे।

एक पेड़ धरती आबा के नाम अभियान के तहत 20 हजार पौधे रोपने का संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति)। आदिवासी विकास विभाग के एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प कार्यालय, जव्हार की ओर से एक पेड़ धरती आबा के नाम इस विशेष पर्यावरणीय अभियान की शुरूआत की गई है। इस पहल की प्रेरणा प्रकल्प अधिकारी तथा सहायक जिलाधिकारी डॉ. अपूर्वा बासुर की संकल्पना से मिली है। इस अभियान के तहत प्रकल्प क्षेत्र में आनेवाली 30 शासकीय आश्रम विद्यालयों, 18 अनुदानित आश्रम विद्यालय, 2 एकलव्य मॉडल रेसिडेन्शियल स्कूल और 16 शासकीय वस्तीगृहों में मिलकर 20,000 पौधे लगाने का भव्य संकल्प लिया गया है।

डॉ. बासुर के मार्गदर्शन में सभी विद्यालयों व वसतीगृहों को पौधारोपण हेतु लक्ष्य निर्धारित कर सौंपा गया है। इसके अंतर्गत शनिवार 19 जुलाई से पौधारोपण की विधिवत शुरूआत की गई। वृक्षारोपण के साथ-साथ जनजागृति हेतु रैली, पालक सभा एवं प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत वृक्ष संरक्षण और संवर्धन पर विशेष चर्चा भी आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्रकल्प अधिकारी सुभाष परदेशी, दीपक टिके, तिरुपती सांगवीकर, नियोजन अधिकारी सतीश रास्ते, कनिष्ठ शिक्षण विस्तार अधिकारी शेवाले व देवरे सहित सभी पालक अधिकारी, मुख्याध्यापक व गृहपालों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस उपक्रम की विशेष बात यह रही कि शनिवार के दिन प्रकल्प क्षेत्र के पाँच वसतीगृहों में ह्यधरती आबा संगणक कक्षह्व का नामकरण भी किया गया, जिसमें आदिवासी विकास निरीक्षकों ने विशेष योगदान दिया।

कल्याण में 22 लाख रुपये ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एमडी ड्रग्स मिलने का सिलसिला जारी है। फिलहाल, कल्याण डीसीपी दस्ते ने 22 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स जब्त की है। इस मामले में दो युवकों मोहम्मद कैफ शेख और फरदीन शेख को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें ये ड्रग्स किससे मिले? बाजार पेठ पुलिस और डीसीपी दस्ता अब संयुक्त रूप से यह पता लगाएगा कि यह नशा कहा से आता और इसे कौन खरीदी करता है।कल्याण डोंबिवली डीसीपी अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में, कल्याण डीपीसी दस्ता और पुलिस स्टेशन की टीम ने ड्रग्स के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है। कुछ दिन पहले, डोंबिवली की एक हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में दो अलग-अलग घटनाओं में 4 करोड़ 24 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स जब्त की गई थी। इस मामले में एक विदेशी नागरिक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह, कल्याण डोंबिवली डीसीपी अतुल झेंडे के नेतृत्व में पिछले सात महीनों से एक बड़ी कार्रवाई चल रही है। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ताजा घटना कल्याण पश्चिम में एपीएमसी मार्केट क्षेत्र से सटे एक स्थान की है। जहाँ कल्याण डीसीपी स्क्वॉड प्रमुख अनिल गायकवाड़ के नेतृत्व में 22 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों में से एक कल्याण और दूसरा कोनगांव में रहता है। आगे की जाँच जारी है।

राजेंद्र बहादुर सिंह का निधन

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट के निवासी राजेंद्र बहादुर सिंह (82 वर्ष) का शनिवार को हृदयगति थम जाने से निधन हो गया। वे बीमारी के चलते मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती थे। वे अपने पीछे अनिल सिंह,सुनील सिंह दो पुत्र सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। शनिवार शाम को उनका अंतिम दाह संस्कार वर्षानगर के श्मशान भूमि में किया गया। उनके निधन पर नरेंद्र बहादुर सिंह,विजय सिंह,संजय सिंह,योगेंद्र सिंह,रामगोविन्द यादव,महेंद्र गिरी, दिनेश सिंह, चंद्रमणि सिंह, करन सिंह, सूर्यप्रताप सिंह,योगेंद्र प्रताप सिंह, शिवम सिंह, शुभम सिंह,विष्णु सिंह, ओम सिंह,सोम सिंह,आकाश सिंह,राहुल सिंह,विवेक सिंह, मान सिंह शिवशंकर सिंह उनके दाह संस्कार में शामिल होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किए और श्री रामलीला उत्सव समिति के समस्त कार्यकारिणी की तरफ से पत्रकार आदेश मिश्र ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कमलादेवी पब्लिक स्कूल में विश्व नेल्सन मंडेला दिवस मनाया गया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कमलादेवी शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित कमलादेवी पब्लिक स्कूल के माध्यमिक संकाय में विश्व नेल्सन मंडेला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, विद्यालय के सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें माध्यमिक संकाय के 275 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता का विषय नेल्सन मंडेला का जीवन और उनके आदर्श था। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में नेल्सन मंडेला के जीवन, उनके संघर्षों और उनके आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नेल्सन मंडेला के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव कैसे लाएँ। प्रतियोगिता के दौरान, विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में नेल्सन मंडेला के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उनके संघर्षों, उनकी विजयों और उनके आदर्शों पर चर्चा की। विद्यार्थियों के निबंधों में नेल्सन मंडेला के जीवन की प्रेरक कहानियाँ वर्णित थीं।

सपकाल ने विधान भवन में हुई हाथापाई के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस को जिम्मेदार ठहराया

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को राज्य विधानमंडल परिसर में दो विधायकों के समर्थकों के बीच हुई हाथापाई के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिम्मेदार ठहराया और प्रायश्चित के तौर पर उनके इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नीत सरकार से विशेष लोक सुरक्षा विधेयक पारित करने पर भी सवाल किया और जानना चाहा कि क्या यह कानून बजरंग दल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी लागू होगा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच बृहस्पतिवार शाम दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन परिसर में उस समय झड़प हो गई, जब सदन की कार्यवाही चल रही थी। दोनों समूहों द्वारा एक-दूसरे पर हमला करने और सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें अलग करने के चौंकाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिससे सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इस मुद्दे पर सपकाल ने कहा, विधान भवन परिसर में हुई हाथापाई के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस जिम्मेदार हैं। उन्हें प्रायश्चित के तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा पर विपक्षी सदस्यों को निशाना बनाने के लिए गुंडों और बदमाशों को पालने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वही संस्कृति अब विधानमंडल के पवित्र परिसर में प्रवेश कर गई है।

उन्होंने कहा, मानसून सत्र के दौरान जनता ने जो देखा, वह लोकतंत्र का खेल नहीं, बल्कि एक शर्मनाक तमाशा था। लोग अपने प्रतिनिधियों को किसानों की समस्या, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और फसल बीमा जैसे मुद्दों पर बोलने के लिए विधानमंडल में भेजते हैं। फिर भी, इनमें से किसी पर भी सार्थक चर्चा नहीं हुई। इसके बजाय, सत्र विधान भवन के अंदर एक अभूतपूर्व मारपीट से प्रभावित हुआ।

सपकाल ने इस घटना की तुलना डब्ल्यूडब्ल्यूई मैच से की और लोकतांत्रिक संस्थाओं में ऐसी हिंसक संस्कृति लाने के लिए फडणवीस को दोषी ठहराया। सपकाल ने कहा, भाजपा ने जो बोया है, वही काट रही है। जिस गुंडागर्दी की संस्कृति को उसने बढ़ावा दिया था, वही अब उसके खिलाफ हो रही है। महाराष्ट्र की जनता नाराज है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग इससे बेखबर हैं, क्योंकि वे सत्ता के शिखर पर बैठे हैं।

सुलतानपुर भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी का मुंबई में स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शनिवार को श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के मुंबई निवास घाटकोपर वेस्ट में सुलतानपुर भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी का आगमन हुआ। उनके मुंबई आगमन पर जयसिंहपुर प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा अंग वस्त्र, गुलदस्ता और संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख मंजू चंद्रशेखर शुक्ला तथा समिति के कार्याध्यक्ष रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय, अरविंद शुक्ल, पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र, देवेन्द्र प्रताप सिंह, विमलेश मिश्र,एड पंकज मिश्रा, शुभम सिंह,राजेश सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

पंजाब नैशनल बैंक ने साइबर सुरक्षा हैकाथॉन के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पीएनबी ने आज अपने मुख्यालय में कोड अगेंस्ट मैलवेयर हैकाथॉन के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। हैकाथॉन का संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) कानपुर के साथ मिलकर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के मार्गदर्शन में साइबर सुरक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने व भारत के युवा तकनीकी प्रतिभाओं को जोड़ने के उद्देश्य से किया गया। समारोह में एम. नागराजू, आईएएस, सचिव डीएफएस ने मुख्य अतिथि के रूप में व आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मनिंद्र अग्रवाल, आईबीए के मुख्य कार्यकारी अतुल कुमार गोयल और बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि अन्य विशिष्ट गणमान्य अतिथियों, संकाय सदस्यों,

जूरी के सदस्यों और छात्र प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। कोड अगेंस्ट मैलवेयर हैकाथॉन का आयोजन की शुरूआत दिसंबर 2024 में किया गया था, जिसमें आईआईटी कानपुर और अन्य प्रमुख संस्थाएनों के छात्र टीमों को विहैविरियल एनॉलिसिस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूरिस्टिक तकनीकों का उपयोग करके रैंसमवेयर का पता लगाने के लिए एंडपॉइंट सुरक्षा समाधान विकसित करने हेतु आमंत्रित किया गया था।

इस पहल को जबरदस्त रिस्पांस मिला, जिसमें 90 पंजीकरण हुए और उनमें से 15 टीमें डेवलपमेंट चरण में पहुंचीं। सात वर्किंग प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए गए और उनका मूल्यांकन किया गया। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि एम. नागराजू ने बैंकिंग क्षेत्र में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें उभरते डिजिटल खतरों के खिलाफ लचीलापन बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य के मुताबिक हैं। बैंक के एमडी एवं सीईओ ने अपनी टिप्पणी में नवाचार को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और उद्योग व शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। हैकाथॉन के विजेताओं को, अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की इसी तरह की पहलों के विजेताओं के साथ मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल (जीएफएफ) 2025 में अपने समाधानों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। पीएनबी भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है, जो अत्याधुनिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करने और साइबर सुरक्षा, डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन में अग्रणी नवाचारों के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें साइबर सिक्योरिटी टीम ऑफ द ईयर विजेता, इंसिडेंट रिस्पांस मैच्योरिटी विजेता, और डिजिटल पेमेंट्स अवार्ड (वित्तीय वर्ष 2024-25) विजेता शामिल हैं।

भिवंडी में अधूरे पडे कंक्रीट सड़क का उद्घाटन संतोष शेट्टी के हाथों संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के धामनकर नाका से बीएनएन कॉलेज तक रुके हुए 500 मीटर लंबे सड़क के कंक्रीट सडक कार्य का उद्घाटन पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी द्वारा नारियल फोड़कर की गई। इस अवसर पर आरपीआई नगर अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़, भाजपा महासचिव विशाल पठारे,पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधीर घागस और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक व छात्र भारी संख्या में उपस्थित थे। बतादें कि भिवंडी शहर के धामनकर नाका से कामतघर तडाली तक सड़क के कंक्रीटिंग कार्य को तीन साल पहले मंजूरी मिली थी। बीएनएन कॉलेज से

वरालदेवी चौक और कामतघर तडाली रोड तक सड़कों का कंक्रीटिंग कार्य दो चरणों में पूरा किया गया। लेकिन बीएनएन कॉलेज से धामनकर नाका तक 500 मीटर सड़क का कंक्रीटिंग का काम दो साल से लटका हुआ था। इस संबंध में स्थानीय पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी ने भिवंडी महानगरपालिका और लोक निर्माण विभाग से रुके हुए काम के बारे में बार-बार पूछताछ की, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा था अंततः संतोष शेट्टी ने विधान परिषद में निरंजन डावखरे को पत्र लिखकर इस मुद्दे को उठाया।

उसके बाद इस काम को लेकर गतिविधियां शुरू हुईं और इस सड़क के काम को गति मिली। उसके बाद शनिवार को नारियल फोड़कर और संतोष शेट्टी के शुभ हाथों से काम का उद्घाटन किया गया। ज्ञात हो कि धामनकर नाका से बीएनएन कॉलेज तक इस क्षेत्र में हर दिन हजारों छात्र शिक्षा के लिए आते हैं और काफी मुश्किलों का सामना आने जाने में उठाते हैं । सडक कार्य पूरा होने पर आवागमन की समस्याओं का समाधान हो जायेगा ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के लेखों का अनुमोदन किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मण्डल ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया है. जिसमें वित्तीय वर्ष 26 की पहली तिमाही के मुख्य बिन्दुओं में वित्तीय कार्यनिष्पादन के बारे में बता दें कि वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान बैंक के निवल लाभ में वर्ष दर वर्ष आधार पर 11.87% की वृद्धि हुई है. वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान बैंक के ब्याज आय में वर्ष दर वर्ष आधार पर 3.53% की वृद्धि हुई है. वहीं कारोबार में वृद्धि को लेकर देखा जाय तो बैंक के कुल कारोबार में वर्ष दर वर्ष 5.01% की वृद्धि हुई है, जिसमें सकल अग्रिमों में वर्ष दर वर्ष आधार पर 6.83% की वृद्धि हुई है और कुल जमाराशि में वर्ष दर वर्ष आधार पर 3.63% की वृद्धि हुई है. 30 जून, 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 22,14,422 करोड़ है.

जमा में वृद्धि में वैश्विक जमाराशि में वर्ष दर वर्ष 3.63% की वृद्धि हुई है. 30 जून, 2025 तक बैंक के पास कुल जमाराशि आधार 12,39,933 करोड़ है. रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई (रैम) क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बता दें कि बैंक के रैम क्षेत्र में वर्ष दर वर्ष आधार पर 10.34% की वृद्धि हुई है, जिसमें वर्ष दर वर्ष आधार पर रिटेल में 25.63% की वृद्धि और एमएसएमई अग्रिमों में 17.65% की वृद्धि हुई है. घरेलू अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में, रैम अग्रिम 58.11% है. वहीं एनपीए में कमी आयी है जिसमें

30.06.2025 को कुल एनपीए (%) वर्ष दर वर्ष आधार पर 102 बीपीएस की गिरावट के साथ 3.52% रहा तथा निवल एनपीए (%) वर्ष दर वर्ष आधार पर 28 बीपीएस की गिरावट के साथ 0.62% रहा है. सशक्त पूंजी अनुपात में 30.06.2024 को सीआरएआर 17.02% के सापेक्ष दिनांक 30.06.2025 को सुधार के साथ 18.30% रहा. सीईटी 1 अनुपात दिनांक 30.06.2024 के 13.81% के सापेक्ष 30.06.2025 को सुधार के साथ 15.30% रहा.प्रतिलाभ ने बारे में बता दें कि वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान बैंक का आस्तियों एवं इक्विटी पर प्रतिलाभ क्रमशः 1.11% एवं 15.15% रहा.वित्तीय समावेशन योजनाओं के संबंध में सरकार समर्थित योजनाएं जैसे पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेडीवाई और एपीवाई के माध्यम से भारत सरकार द्वारा शुरू की गई वित्तीय समावेशन योजनाओं का उद्देश्य बाधाओं को समाप्त करना और समाज के निम्न आय वर्ग को आर्थिक मूल्य वाली वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), यह एक सरकार द्वारा समर्थित जीवन बीमा योजना है, जिसमें 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 4.35 लाख नए नामांकन किए गए हैं. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) भी यह एक सरकार द्वारा समर्थित दुर्घटना बीमा योजना है, जिसमें 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 5.10 लाख नए नामांकन किए गए हैं. प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), हमारे बैंक ने 30.06.2025 तक पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत ? 13,089 करोड़ की राशि के कुल 3.26 करोड़ खाते खोले हैं. 30.06.2024 तक ? 10,669 करोड़ की राशि के कुल 2.99 करोड़ खाते खोले गए थे. अटल पेंशन योजना (एपीवाई),

एपीवाई एक पेंशन योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों पर लक्षित है तथा 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 1.73 लाख नए नामांकन किए गए हैं. महिला उद्यमियों के लिए यूनियन नारी शक्ति योजना भी वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान ? 503 करोड़ के 2,881 आवेदन मंजूर किए गए.

आदिवासी समाज के होनहार छात्र वीरेंद्र को मिला आर्थिक सहारा

शिवसेना नेता कुंदन संखे का सराहनीय कदम

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिवसेना नेता व समाजसेवी कुंदन संखे ने एक बार फिर समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आदिवासी समाज के एक मेहनती छात्र की मदद की है। वीरेंद्र उमतोल नामक यह छात्र आईटीआई में पढ़ाई कर रहा है और अपनी मेहनत से पढ़ाई का खर्च स्वयं वहन कर रहा है। आर्थिक कठिनाइयों के चलते वह मदद की आस लेकर कुंदन संखे के पास पहुंचा, जहां उसे तुरंत सहायता प्रदान की गई। कुंदन संखे ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से पालघर स्थित शिवसेना जिला जनसंपर्क कार्यालय में हर शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस दरबार में विभिन्न स्तर के लोग अपनी समस्याएं लेकर आते हैं और उन्हें न्याय दिलाने का ईमानदार प्रयास किया जाता है।उन्होंने कहा, ₹कई बार मदद करना सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है, परंतु कुछ अवसर ऐसे होते हैं जब किसी को सहायता देकर आत्मिक संतोष मिलता है। वीरेंद्र जैसे छात्र, जो कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं, उनके लिए मदद का हाथ बढ़ाना हम

सबका सामाजिक कर्तव्य है। वीरेंद्र, जो वनई का निवासी है, अपने सहयोगी अधिवक्ता विराज गडग के साथ कुंदन संखे से मिलने आया था। संखे ने न केवल उसकी समस्या को गंभीरता से लिया बल्कि तत्काळ आर्थिक सहायता भी प्रदान की। कुंदन संखे ने कहा कि आदिवासी समाज के युवा आज शिक्षा और स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो रहे हैं। ऐसे युवाओं का समर्थन करना हम सभी के लिए गर्व की बात होनी चाहिए। उन्होंने वीरेंद्र को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

डोंबिवली में दो घंटे की बिजली कटौती सुरु

लोड शेडिंग रद्द करें, वरना करेंगे विरोध-दिपेश म्हात्रे

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली को बिजली आपूर्ति करने वाली दो बिजली लाइनों में खराबी के कारण 4 जुलाई से डोंबिवली में दो घंटे की अघोषित बिजली कटौती शुरू हो गई है। शिवसेना ठाकरे गुट के जिला प्रमुख दिपेश म्हात्रे ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर बिजली वितरण कंपनी के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

म्हात्रे ने कहा कि पडघा बिजलीघर से डोंबिवली और कल्याण दोनों शहरों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। इस बिजलीघर की एक बिजली लाइन में खराबी है। एक ही बिजली लाइन से बिजली आपूर्ति की जा रही है। बिजली वितरण कंपनी के अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण खराब बिजली लाइन की मरम्मत नहीं हो पाई है।

पिछले पंद्रह दिनों से डोंबिवली शहर में बिजली की समस्या बनी हुई है। बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी इस ओर आंखें मूंदे हुए हैं। इसलिए, डोंबिवली में अघोषित लोड शेडिंग शुरू हो गई है। जो लोग सत्ताधारी दल से हैं। वे स्मार्ट सिटी और डोंबिवली के विकास की बात करते हैं। मेरा उनसे एक सवाल है। मुंबई से चंद कदमों की दूरी पर स्थित डोंबिवली शहर में लोड शेडिंग शुरू हो गई है। सत्ताधारी दल इस बारे में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। म्हात्रे ने चेतावनी दी है कि अगर बिजली वितरण कंपनी द्वारा की जा रही दो घंटे की अघोषित लोड शेडिंग को नहीं रोका गया, तो बिजली वितरण कंपनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अघोषित दो घंटे की लोड शेडिंग के कारण नागरिक पूरी रात पसीने से तरबतर रहे। इसका असर अस्पतालों में सेवाओं पर पड़ता है, छात्रों की पढ़ाई पर पड़ता है। इतना सब होने के बावजूद कई कार्यालयों में काम ठप है, लेकिन बिजली वितरण कंपनी द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जिला प्रमुख म्हात्रे ने भी बिजली कंपनी के अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दरोगा बोला- तुम ट्रेन से मुंबई पहुंचो, मैं फ्लाइट से आऊंगा

पिता मुंबई में 4 दिन तक भटकता रहा, गोरखपुर से लापता हुई थी लड़की

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। एक 13 साल की बच्ची लापता हो गई। पुलिस जांच में उसकी लोकेशन मुंबई में मिली। पुलिस ने पिता को थाने बुलाकर बेटी से इंस्टाग्राम पर बता कराई। इसके बाद दरोगा ने पिता से कहा- तुम्हारी बेटी मुंबई के पनवेल महानगर पालिका के आस-पास है। उसकी तलाश के लिए तुम लोग ट्रेन से मुंबई पहुंचो। मैं हवाई जहाज से आता हूं।दरोगा के कहने पर पिता अपने साले के साथ ट्रेन से मुंबई पहुंच गए। 4 दिन तक पनवेल इलाके में दर-दर भटकते रहे। लेकिन बेटी नहीं मिली। गोरखपुर में दरोगा से फोन किया तो वह आज-कल आने की बात कहते रहे। बाद में दरोगा ने फोन उठाना बंद कर दिया। 4 दिन तक बेटी का कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने शुक्रवार को गोरखपुर के लिए ट्रेन पकड़ ली। पुलिस अब भी आश्वासन दे रही है। मामला रामगढ़ताल थाना क्षेत्र का है। बच्ची 7 जुलाई को लापता हुई थी। 7 जुलाई को छोला भटूरा खाने गई थी लड़की,बांसगांव के अजय चौहान अपने परिवार के साथ गोरखपुर के रामगढ़ताल क्षेत्र में किराए का घर लेकर चाय और समोसा की दुकान चलाते हैं। अजय ने बताया- उनके 4 बच्चे हैं। जिसमें एक बेटा और 3 बेटियां हैं। एक बेटी की शादी कर चुके हैं। सबसे छोटी बेटी अन्नू पास में ही एक स्कूल में क्लास 6 में पढ़ती है।

अजय ने बताया- 7 जुलाई की दोपहर करीब 3 बजे बेटी घर के पास ही छोला-भटूरा खाने गई थी। इसके बाद वापस नहीं लौटी। देर तक नहीं आने पर उसकी तलाश की। कई जगह खोजा, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। रामगढ़ताल थाने में 10 जुलाई को उसके अपहरण का केस दर्ज कराया।

थाना लाइन बाजार पुलिस टीम ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने से सम्बन्धित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। दिनांक- 27.08.2023 को वादी मुकदमा द्वारा तहरीर दी गई कि उनकी पोती किराए के मकान में रहते हुए टीडी कालेज से बीकाम द्वितीय वर्ष में पढ़ रही थी।दिनांक 05.08.2023 को फोन 11:00 बजे दिन में मकान मालिक का फोन गया कि रूम की सफाई करवाना है इसलिए बगल वाले रूम में शिफ्ट हो जाओ। वादी मुकदमा द्वारा पोती को दि0 5.08 2023 को जौनपुर के लिए भेज दिया गया और शाम को कमरा शिफ्ट करने के बाद बात हुई। अगले दिन सुबह मकान मालिक का फोन आने पर वादी मुकदमा किराए के मकान पर पहुचे तो देखा कि पुलिस के साथ लोग थे और पोती पंखे से टंगी हुई थी। राज पाठक उर्फ अनुराग पाठक पुत्र भूपेंद्र स0मा0 आरा थाना गौराबादशाहपुर जि0 जौनपुर पोती को बराबर फोन द्वारा प्रताड़ित और मारने की धमकी देने से सम्बन्धित प्राप्त प्रार्थना पत्र थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 0447/2023 धारा 306 भादवि0 बनाम राज पाठक उर्फ अनुराग पाठक के पंजीकृत किया गया था।उ0नि0 अरविन्द यादव चौकी प्रभारी टीडी कालेज मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर वांछित आरोपी राज पाठक उर्फ अनुराग पाठक पुत्र उपेन्द्र पाठक निवासी आरा थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 21 वर्ष को प्रसाद तिराहे से हिरासत पुलिस में लिया गया तथा अग्रिम विधिक कायार्वाही के अनुक्रम में माननीय न्यायालय चालान कर भेजा गया।

वाराणसी में स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर हो रहा था जिस्म फरोसी का धंधा

संचालक सहित तीन गिरफ्तार, जाँच में जुड़ी पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जिले में कैंट थाना क्षेत्र में बीच बाजार स्थित कॉम्प्लेक्स में चल रहे स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का गोरखधंधा पकड़ा गया। इमारत के बेसमेंट में चल रहे सेंटर के संचालक सोशल मीडिया के सहारे ग्राहक की बुकिंग करते थे। यहां 3 युवतियां एक ग्राहक व सेंटर संचालक गिरफ्तार किया गया है। कैंट थाना क्षेत्र के अर्दली बाजार में प्रीतम कॉम्प्लेक्स है। इसके बेसमेंट में स्पा सेंटर संचालित हो रहा था। यहां संदिग्ध गतिविधियों को लेकर मिले इनपुट पर पुलिस काफी समय से काम कर रही थी इसके बाद टीम बनाकर घेराबंदी की गई। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान की अगुवाई में बीती रात पुलिस ने छापा मारा। पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई में किसी को भागने का मौका नहीं मिला। यहां तीन युवतियां और दो युवक आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए। जांच में पता चला कि यह गिरोह सोशल मीडिया ग्रुप्स के जरिए ग्राहकों से संपर्क करता था। ग्राहकों को लुभाने के लिए तस्वीरें भेजी जाती थीं और घंटे के हिसाब से सौदेबाजी होती थी। छापेमारी के दौरान मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों में संचालक पंकज चौबे का नाम सामने आया है, जो पहले भी इसी तरह के मामले में जेल की हवा खा चुका है। पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जुटा रही है।

जौनपुर के 24 मंडल में से 16 मंडलों के भाजपा पदाधिकारियों की हुई घोषणा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें भाजपा जौनपुर के कुल 24 मंडलों में 16 मंडलों के पदाधिकारियों की घोषणा शनिवार को जारी की गई। 16 सदस्यीय नई टीम में संगठन ने तीन-तीन महिला नेत्रियों को भी स्थान दिया है। जाति वर्ग का ध्यान रखने के साथ पार्टी के कर्मठ कार्यकताओं को भी समायोजित करने की कोशिश की गई है। नौपेड़वा, मुंगराबादशाहपुर, तरहटी, पवारा, बेलवार और सुजानगंज मंडल में नए अध्यक्षों का चुनाव नहीं होने के कारण इन मंडलों में पुरानी कार्यकारिणी ही काम कर रही है। शनिवार को जिन 16 मंडलों के पदाधिकारियों की सूची जारी हुई है। उनमें बदलापुर, धनियामऊ, सिंगरामऊ, महाराजगंज, खुटहन जमुनिया, सुईथाकला, अरसिया, शाहगंज, जौनपुर उत्तरी, करंजाकला, गभीरन, रामदयालगंज, सिकरारा, परशुरामपुर, बैजारामपुर मंडलों में छह उपाध्यक्ष, छह मंत्री, दो महामंत्री व एक कोषाध्यक्ष की घोषणा हुई है। जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने सभी घोषित मंडल पदाधिकारियों को सीहीपुर स्थित भाजपा कार्यालय में माला पहनाकर शुभकामनाएं दी। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक अभियान व 2027 के विधानसभा चुनाव में सफलता की चुनौती उनके कंधों पर है। उन्हें विश्वास है कि सभी पदाधिकारी संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। इस मौके पर जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उक्त अवसर पर जिला कार्यालय प्रमुख ओमप्रकाश सिंह एव मंडल अध्यक्ष गण संजीव शुक्ला सनी, अमित कुमार चौहान, सिद्धार्थ सिंह सिकंदर मौर्य, बसंत लाल मौर्य, अशोक बिंद, अनिल सिंह, अवधेश दुबे, चिंता हरण शर्मा, सारिका सोनी, प्रशांत रंजन सिंह, अजय यादव, लाल बहादुर पाल, ब्रह्मदत्त गिरी, सुरेंद्र मिश्रा, सुजीत सिंह उपस्थित रहे।

पच्चीस वर्षों बाद खपरहा में बाटी गई यूरिया खाद, किसानों के चेहरे पर खुशी

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा क्षेत्र के खपरहा बाजार में लगभग 25वर्ष से बंद पड़े सहकारी समिति खपरहा में कोआपरेटिव जौनपुर ब्रजेश पाठक एडी सी ओ सदर रजनीश कुमार पाण्डेय तथा ब्रह्म जीत सिंह एडीओ कोआपरेटिव सिकरारा के सामूहिक प्रयास से 25 वर्षों से बंद पड़ी सहकारी समिति को बगल की समिति गोनापार से संबद्ध करते हुए। 250 बोरी यूरिया का वितरण समिति कार्यालय से कराया गया।जिससे क्षेत्रीय कृषकों में हर्ष व्याप्त है ब्रह्म जीत सिंह ने बताया कि निकट भविष्य में समिति के अभिलेखीय कार्यवाही को पूर्ण करते हुए खुद समिति को सक्षम बनाने हेतु। समिति से ही उर्वरक व्यवसाय प्रारंभ किया जाएगा। इससे किसानों में खुशी है और अब उन्हें खाद के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

बिना बायोप्सी के खून की जांच द्वारा प्रारंभिक अवस्था में ही कैंसर की जांच संभवः डॉ.कमलेश गिडवानी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विज्ञान संकाय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा अपने पहले बैच के प्रतिभाशाली पूर्व छात्र डॉ. कमलेश गिडवानी का आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। वर्तमान में रेडियोमीटर टुर्कू, फिनलैंड में सीनियर आर एंड डी स्पेशलिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. गिडवानी ने नैनोपार्टिकल आधारित कैंसर-विशिष्ट डायग्नोस्टिक एसे विकास विषय पर एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान में डॉ. गिडवानी ने बताया कि कैसे अत्याधुनिक नैनोटेक्नोलॉजी का प्रयोग कर कैंसर की शीघ्र पहचान के लिए संवेदनशील और विशिष्ट निदान विधियाँ विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कैंसर-विशिष्ट ग्लाइकोवेरिएंट एसे के महत्व और इसके उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा की। डॉ. गिडवानी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से इम्यूनोएपिडेमियोलॉजी विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की, इसके अतिरिक्त, उन्होंने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, भारत में सीनियर रिसर्च ऑफिसर के रूप में भी कार्य किया। वर्तमान में डॉ. गिडवानी रेडियोमीटर में कार्य करने के साथ-साथ, डॉ. गिडवानी ने यूनिवर्सिटी ऑफ टुर्कू में अनुबंध प्रोफेसर और इनफ्लेम्स फ्लैगशिप/इम्युनोडायग्नोस्टिक्स कार्यक्रम में ग्रुप लीडर के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं। संकायाध्यक्ष प्रो राजेश शर्मा ने डॉ. गिडवानी का स्वागत करते हुए उनके उत्कृष्ट अनुसंधान कार्यों पर गर्व व्यक्त किया और उन्हें वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया ,माइक्रोबायोलॉजी बिभाग के शिक्षक डॉ.ऋषि श्रीवास्तव ने डॉ. गिडवानी द्वारा विकसित ब्लड की जाँच से कैंसर की पहचान की तकनीक को कैंसर के अर्ली डिटेक्शन हेतु महत्वपूर्ण बताया। डॉ.मनीष कुमार गुप्ता ने इस आयोजन को विभाग और पूर्व छात्रों के बीच अकादमिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।जो भविष्य में विश्वविद्यालय के छात्रों को वैश्विक स्तर की वैज्ञानिक उपलब्धियों से रूबरू करने में सहायक होगा । डॉ. गिडवानी ने भी अपने विश्वविद्यालय के दिनों को याद करते हुए छात्रों को शोध के प्रति लगन और धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा दी। उक्त व्याख्यान में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ.विवेक कुमार पाण्डेय, डॉ.सिपाही लाल डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ .इशानी भारती, डॉ. श्वेता सोनम, डॉ.अवधेश कुमार तथा विज्ञानं संकाय के स्टूडेंट्स उपस्थित रहे क कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने डॉ. गिडवानी से कई प्रश्न पूछे और अंतरराष्ट्रीय शोध अवसरों, डायग्नोस्टिक और बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्रों में करियर विकल्पों तथा बहुविषयी दृष्टिकोण के महत्व पर चर्चा की।

जौनपुर में विद्यालय के भवन पर गिरी आकाशीय बिजली, ढहा बरामदा

◆ विद्यालय पर दोनों तरफ से पड़ रही है मार

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में गुरुवार की रात तेज हवा, चमक और तेज गर्जना के साथ हुई जमकर बारिश में प्राथमिक विद्यालय शहाबुदीन का जर्जर हो चुके पुराने भवन पर आकाशीय बिजली गिर जाने से बरामदा ढह गया। संयोग अच्छा था हादसा रात में हुआ। दिन में होता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। बारिश बंद होने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो मलबा फैला हुआ था।

उक्त गांव में वर्ष 1989 में विद्यालय भवन बनाया गया था। लगभग 36 वर्ष पुराना भवन अब जर्जर हालत में पहुंच चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि रात को तेज गरज की ध्वनि के साथ आसमान से बिजली गिर गई। जिससे भरभराक बरामदा ढह गया। प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि इस जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित नहीं होती। बगल में नयी बिल्डिंग बनाई गई है। जिसमें पठन पाठन चल रहा है। इसकी सूचना भी उच्चाधिकारियों को पूर्व में दी जा चुकी है। इसे ढहाने की प्रक्रिया चल रही थी। खंड शिक्षा अधिकारी विपुल कुमार उपाध्याय ने बताया कि भवन निष्प्रयोज्य था। उसमें बच्चों को आने जाने से मनाही की गई थी।

महिला सुरक्षा और दलाल निषेध हेतु जिला चिकित्सालय में कार्यशाला का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला महिला चिकित्सालय जौनपुर में भूतपूर्व सैनिक गार्डों की संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य चिकित्साअधीक्षक डॉ एम.के. गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में गार्डों को महिला मरीज तथा महिला स्टाफ हेतु सुरक्षा के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा अस्पताल में घूमते वाले दलालों के प्रवेश को पूर्णतः वर्जित करने पर जोर दिया गया तथा बताया गया कि इस प्रकार के तथाकथित विभिन्न व्यवसाओं से जुड़े हुए दलालों को किसी भी प्रकार से जिला अस्पताल में ना आने दिया जाए यह लोग अस्पताल में पहुंचकर मरीज व उनके परिजनों के साथ-साथ स्टाफ व चिकित्सक के साथ भी अक्सर बदतमीजी करते देखे गए हैं। बैठक में मैट्रन शांति दुबे, मैनेजर डॉ आशीष तथा ज्योति सिंह उपस्थित रहे। सलाहकार डॉ.सीमा सिंह ने सुरक्षा की बारीकियां समझाई। वही पंकज ने लिफ्ट, पानी आदि की सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी दी,महिला अस्पताल में अनावश्यक फोटोग्राफी करने वालों को रोकने पर भी जोर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने कांवड़ियों के बीच किया फल वितरण

बाल कांवड़ियों का किया उत्साहवर्धन, अनुमन्य सीमा में डीजे बजाने की जिलाधिकारी ने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र शहर में स्थित सद्भावना पुल पर पहुंचकर श्रावण मास में चल रही पवित्र कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कांवड़ियों के बीच फल वितरण किया। विशेष रूप से बाल कांवड़ियों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि पूरे भारतवर्ष में, विशेष रूप से हमारे उत्तर प्रदेश में शिव भक्त कावड़िए अपनी आस्था, सनातन धर्म की मयार्दा की रक्षा तथा महादेव के प्रति अपनी आस्था को प्रकट करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर शिवालयों में गंगा जल चढ़ाते हैं तथा जलाभिषेक करते है। श्रावण मास में श्रद्धालुओं तथा कांवड़ियों के बड़ी संख्या में आवागमन के दृष्टिगत जनपद में पूरी तैयारी कर ली गई है। जनपद में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा निरंतर जिन स्थानों से भी कावड़ यात्रा निकलनी है, वहाँ सुरक्षा के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं प्रदान कर रही हैं। कांवड़ियों को कोई दिक्कत न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी शिवभक्त कावडियों से अनुरोध किया है कि अनुमन्य डेजीबल में ही डीजे बजाए। उन्होंने बाल कावड़ियों से कांवड़ लेकर अपने कंधे पर रखते हुए कुछ दूर तक यात्रा में सम्मिलित हुए और सभी श्रद्धालुजन/कांवड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने कांवड़ियों के बीच फल का भी वितरण किया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

पीयू परिसर की प्रवेश परीक्षाएं सुचिता के साथ संपन्न

कैमरे की निगरानी में हुई परीक्षाएं, कुलसचिव ने किया निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की प्रवेश परीक्षाएं उमानाथ इंजीनियरिंग संस्थान में सफलतापूर्वक शनिवार को सम्पन्न हुईं। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई। 19 जुलाई को प्रथम पाली 9:00 बजे से 11:00 बजे बीएससी के सभी प्रोग्राम में, दूसरी पाली 12:00 से 2:00 के एमबीए, एमबीए के फाइनेंस एंड कंट्रोल, एचआरडी, ई-कॉमर्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स तथा तीसरी पाली 3:00 से 5:00 के बीच बीबीए, एलएलएम, एमसीए, इंटीग्रेटेड एमसीए, एमएससी के बायोटेक्नोलॉजी, बायो केमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के साथ-साथ कक्ष निरीक्षक एवं परीक्षा समिति के सदस्य लगातार कमरों का भौतिक निरीक्षण भी कर रहे थे। परीक्षार्थियों की तलाशी के लिए प्रवेश द्वारों पर कड़ी जांच की गई। 19 जुलाई को कुल 1324 विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर विनोद कुमार सिंह परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा संचालन समिति के सदस्य प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राजकुमार, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ रसिकेश, अशोक कुमार यादव समूचे समय सक्रिय रूप से परीक्षा प्रक्रिया को संचालित करने में लगे रहे।

थानाध्यक्ष म्योरपुर की एक माह में लगातार तीसरी बड़ी कामयाबी

गांजा तस्करो की कमर तोड़ने का सिलसिला जारी, कुल 24 पैकेटों में 71.270 किलोग्राम नाजायज गांजा बरामद, अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये

म्योरपुर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष म्योरपुर को मुखबिर से सूचना पर थानाध्यक्ष म्योरपुर मय टीम मौके पर जाकर संदिग्ध आर्टिका वाहन संख्या ओडी 23एन 0847 को चेक किया गया। वाहन की तलाशी लेने पर दो बोरियों में कुल 24 पैकेटों में 71.270 किलोग्राम नाजायज गांजा अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये बरामद हुआ। मौके से एक आरोपी राजा सिंह उर्फ किशन सिंह पुत्र स्वर्गीय मनोज सिंह निवासी सहतवार, थाना सहतवार, जनपद बलिया को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में दो अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए, जिनके नाम शैलेश कुमार शाह पुत्र राजू लाल शाह, निवासी बड़माल, झारसुगुड़ा उड़ीसा एवं समीर शाह पुत्र अज्ञात, निवासी बड़माल, झारसुगुड़ा उड़ीसा है इसके अतिरिक्त, नाजायज गांजा आपूर्ति से जुड़े दो व्यक्तियों भक्त चरण राणा उर्फ राजू पुत्र अज्ञात, निवासी पंचपाड़ा, थाना टाउन थाना, झारसुगुड़ा उड़ीसा गांजा बेचने वाला तथा राजेश सोनकर पुत्र अज्ञात, निवासी कोखराज, थाना कोखराज, जनपद कौशांबी गांजा खरीदने वाला की तलाश की जा रही है।इस बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0- 89/2025 धारा 8/20/27ए/ 29/60 एनडीपीएस ऐक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आरोपी द्वारा बताया कि यह गांजा हम लोग राजा सिंह, शैलेश कुमार शाह व समीर राजेश सोनकर के कहने पर उसके द्वारा दिए गए पैसे लेकर धर्मा सम्भलपुर उड़ीसा गये थे जहां पर भगत चरण राणा उर्फ राजू राणा से माल खरीदें और उसके बाद अपनी गाड़ी में लोड करके प्रयागराज में डिलीवरी देने जा रहे थे। यह लोग इस अपराध में काफी समय से लिप्त है। यह गाड़ी शैलेश कुमार शाह की है इसकी सेटिंग भी राजेश सोनकर व भक्त चरण करते हैं।

यह गांजा का व्यापार हम लोग काफी समय से कर रहे हैं। शैलेश ने यह अर्टिगा कार गांजा का व्यापार करने के लिए ही गांजा बिक्री से हुई कमाई से खरीदा है। हम लोग अब तक 20 से 25 बार उड़िसा से गांजा लेकर प्रयागराज राजेश सोनकर को पहुंचा चुके हैं। गांजा को बताये हुए स्थान पर पहुंचाने के लिए मुझे 30,000 रुपये प्रति चक्कर मिलता है गिरफ्तार करने वाली पुलिस थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना म्योरपुर, उ0नि0 मनोज कुमार सिंह चौकी प्रभारी लिलासी, हे0का0 माधवानन्द सिंह, प्रमोद कुमार यादव, अतुल कुमार, का0 अनिल कुमार, सोनू भारती, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र मौजूद रहे।

प्रो.विनोद कुमार ने विभागाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में प्रोफेसर (डॉ) विनोद कुमार ने गुरुवार को विधि संस्थान के विभागाध्यक्ष का पदभार विधिवत रूप से ग्रहण किया। पूर्व प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ वनिता सिंह ने उन्हें पदभार सौंपा। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, प्रोफेसर देवराज सिंह, मंगला प्रसाद, दिनेश कुमार सिंह, इंद्रजीत सिंह, श्रीप्रकाश यादव, प्रमोद कुमार, राजित राम सोनकर, राहुल राय, अंकित कुमार, डॉ अनुराग मिश्रा तथा डॉ प्रियंका कुमारी सहित अनेक शिक्षक एवं सहयोगियों ने प्रोफेसर विनोद कुमार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पदभार ग्रहण करने के उपरांत प्रोफेसर विनोद कुमार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कुलपति जी के मार्गदर्शन और सहयोगीगणों के सामूहिक प्रयास से संस्थान में गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन और शोध की दिशा में ठोस पहल करेंगे। उन्होंने विधि संस्थान को नई दिशा देने और ऊंचाइयों तक पहुंचाने के अपने संकल्प को दोहराया। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर विनोद कुमार पूर्व में पटना विश्वविद्यालय, पटना तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के विधि विभागों में अध्यापन एवं विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं।

मुंबई पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय फ्लैट्स आवंटन की मांग

लाल शेखर सिंह

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार समूह) के मुंबई प्रदेश सरचिटणीस बाबू उलिगप्पा बत्तेली चंद्रिकी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय फ्लैट्स आवंटन की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि मुंबई पुलिस दल के कई कर्मचारी अपने परिवार के साथ शहर से दूर रहते हैं और रोजाना लंबी यात्रा के बाद कार्यस्थल पहुंचते हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, साथ ही आपात स्थिति में उनकी सेवाओं में विलंब हो सकता है। उन्होंने अनुरोध किया है कि मुंबई शहर या कार्यस्थल से 10-15 किलोमीटर की दूरी पर पुलिस कर्मियों के लिए आवासीय फ्लैट्स की व्यवस्था की जाए। इससे पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ेगी, मानसिक तनाव कम होगा और शहर की सुरक्षा के लिए वे तत्पर रह सकेंगे। चंद्रिकी ने विश्वास जताया कि पुलिस बल की सेवाओं को हमेशा सम्मान देने वाले शासन से इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

एलएसडी से बचाव के लिए मवेशियों का टीकाकरण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला के अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में लंपी त्वचा रोग से बचाव को लेकर पशु टीकाकर्मी की टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान मवेशियों का निःशुल्क टीकाकरण किया गया। भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार व डॉ अनिल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विभिन्न जगहों पर मवेशियों को निःशुल्क टीका लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एलएसडी यानी लंपी स्किन डिजीज मवेशियों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। यह रोग विषाणु जनित होता है, जो गो प्रजाति के जानवरों की त्वचा में होता है। डाक्टरों ने बताया कि इस बीमारी में मवेशियों के शरीर पर छोटे-बड़े फोड़े निकलते हैं। बुखार आता है। खाना कम कर देते हैं। फोड़े फूटने के बाद घाव बनते हैं, जिनमें कीड़े पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचाव के लिए सरकार की ओर से निःशुल्क टीकाकरण कराया जा रहा है। यह टीका केवल गो प्रजाति के मवेशियों को लगाया जाता है।

दो एंबुलेंस वालों के पूर्व के विवाद में सिवान में चली गोली

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान। सिवान सदर अस्पताल के पास दो एंबुलेंस चालकों के पूर्व के विवाद में गोली चल गई, जिसमें एक एंबुलेंस चालक जख्मी हो गया। जख्मी का इलाज सिवान सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना पाकर सिवान के एसपी मनोज कुमार तिवारी दलबल के साथ पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पत्रकारों को एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों एंबुलेंस चालकों में पूर्व से विवाद चल रहा था, इसको लेकर दोनों में झड़प हो गई। पुलिस मामले की जांच में लग गई है। पीड़ित के परिजन घटना को लेकर पुलिस को जिमवार बता रहे हैं।

नाबालिक बच्ची से दुराचार करने वाला बाल अपचारी दो घंटे के अन्दर गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा नाबालिक बच्ची से दुराचार करने वाला बाल अपचारी को 02 घंटे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया गया। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 137/25 धारा 65(2)/352/351(3) बीएनएए व 5एम/6 पाक्सो एक्ट थाना खेतासराय जौनपुर से सम्बधित नाबालिक बच्ची से दुराचार करने वाला बाल अपचारी को थाना क्षेत्र के शाहापुर से आगे रेलवे स्टेशन खेतासराय जाने वाले मोड़ से 02 घण्टे के अन्दर पुलिस अभिरक्षा मे लेकर सम्बधित न्यायालय भेजा जा रहा है ।

शोक सभा में पहुंचे गणमान्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव आनंद मिश्रा के पत्नी की शोकसभा उनके निज आवास राईपुर में हुई जिसमे सांसद मछलीशहर प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी, विधानसभा अध्यक्ष रामू मौर्य, राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी राजवीर यादव, वरिष्ठ नेता राजेश यादव, फिरोज खान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामनगर कैलाश यादव, अतुल यादव, सोनू यादव, अखिलेश मिश्रा इत्यादि उपस्थित रहे ।विदित हो कि समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव आनंद मिश्रा की पत्नी की गंभीर बीमारी के बाद देहांत हों गया था उनके बच्चे अभी बहुत मासूम हैं।

प्रेम प्रसंग में युवक को चाकू से गोद कर हत्या

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिले में बड़हरिया थाना क्षेत्र के एक युवक को हमलावरों ने सीवान ओपी थाना क्षेत्र में रवि कुमार नमक युवक को चाकू से गोद कर हत्या कर दी। मृतक के भाई सूरज कुमार ने बताया कि रवि कुमार को हमलावरों ने घर से ही टारगेट कर सीवान में हत्या करने की योजना बना रखी थी। घटना का कारण एक लड़की से प्रेम प्रसंग बताया जाता है. मृतक का भाई सूरज कुमार ने बताया कि हमलावर ने 6-7 की संख्या में थे . जिनकी पहचान कर ली गई है। महादेवा ओपी पुलिस घटना के जॉच में लग गई है।

व्यापारियों ने गुरैनी बाजार में साप्ताहिक बंदी की कि मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरैनी बाजार, जौनपुर के समस्त व्यापारियों की एक आवश्यक बैठक व्यापारी नौशाद के आवास गुरैनी में सम्पन्न हुई। जिसमें बैठक की अध्यक्षता व्यापारी नेता हुजैफा खान और राम सबद बिन्द ने किया जिसमें समस्त व्यापारीयों ने एक मत में एक स्वर में दुकानों के साप्ताहिक बन्दी हेतु दिन-शनिवार को बन्द करने का निर्णय लिया है। व्यापारीयों की भावनाओं का आदर करते हुऐ सम्बन्धित विभाग इस और ध्यान आकृष्ट करे। बैठक में समस्त व्यापारीगण उपस्थित रहे।

सपा का आरक्षण दिवस पर संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कल मुंगराबादशाहपुर में आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती, आगामी 25 जुलाई को वीरांगना फूलन देवी जी की पुण्यतिथि, 26 जुलाई को आरक्षण दिवस पर प्रस्तावित संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम होटल रिवर व्यू में आयोजित होगा, की सफलता हेतु तैयारी हेतु समाजवादी पार्टी जौनपुर ने नगर के होटल रिवर व्यू में दिन में 11 बजे बैठक आयोजित कर विचार विमर्श किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि उपरोक्त सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए एक एक कार्यकर्ता गण अपनी पूरी सहभागिता प्रदान करें। कल दिन में एक बजे मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में

सरायबीका तहसील मछलीशहर में आर के कान्वेंट स्कूल में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल रहेंगे। हम सभी कल जयंती समारोह में शिरकत कर कार्यक्रम को सफल बनाए, वहीं आगामी 25 जुलाई को वीरांगना फूलन देवी जी की पुण्यतिथि जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मनाते हुए नमन किया जाएगा। 26 जुलाई आरक्षण को दिवस पर संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव उपस्थित रहेंगे। सभी पार्टी के जनप्रतिनिधि गण, वरिष्ठ नेता गण, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गण, सभी फ्रंटल के लोग मिलकर, बैठक कर रणनीति बना कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

कार्यक्रम को सांसद बाबूसिंह कुशवाहा, विधायक लकी यादव, विधायक पंकज पटेल, पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, कमलेश यादव, आलोक सिंह यादव, डॉ जंगबहादुर यादव, डॉ शबनम नाज, डॉ रामसूरत पटेल, प्रभानंद यादव, अजय त्रिपाठी, राहुल त्रिपाठी, दीपक विश्वकर्मा, त्रिभुवन यादव, दीनानाथ सिंह, विधानसभा अध्यक्ष गण रामजतन यादव, मिथिलेश यादव, वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी, राम अकबाल यादव, सूर्यभान यादव, रामू मौर्य, नंदलाल यादव, फ्रंटल के अध्यक्ष गण ,दिलीप प्रजापति, गुड्डू सोनकर, आनंद गुप्ता, शर्मिला यादव, हरिश्चंद प्रभाकर, राम अभिलाष यादव, अमित गौतम, श्यामनारायण बिंद, देवेंद्र कुमार साहू आदि ने संबोधित किया। बैठक में पूर्व प्रमुख रमापति यादव, इरशाद मंसूरी, अनवारूल हक गुड्डू, ज़िला सचिव गण गुलाब यादव, विवेक यादव, संजय गौतम धीरज बिंद सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के चातुर्मास्य व्रत महोत्सव स्थल पर पहुँचे पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली (मुंबई) ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य 1008 स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वतीजी महाराज मुंबई के बोरीवली स्थित कोरा केंद्र मैदान में चातुर्मास्य हेतु पधारे हैं। उनका दर्शन करने अनेक राजनेता, जाने माने उद्योगपति, समाजसेवी व सनातनी नागरिक वहां उपस्थित होकर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी भी शंकराचार्य जी के चातुर्मास स्थल पर पहुंचे और उनका आशीर्वाद लेने के साथ-साथ वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ समाजसेवी भरत शाह, एम. एल. सोनी, जयकांत शुक्ला तथा राजकुमार जाजू समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शातिर वाहन चोरों को कैंट पुलिस नें धर दबोचा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर को फुलवरियां स्थित बाबा अली बक्श शहीद मजार के पास से गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी की दो बाइकें और चार चाबियां बरामद की। पुलिस उससे पूछताछ के साथ ही विधिक कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर पुलिस इस समय रात्रि चेकिंग अभियान चला रही है। इसी दौरान कैंट क्षेत्र में एक संदिग्ध बाइक सवार दिखा। उसे पूछताछ के लिए रोका गया। जब उससे मोटरसाइकिल के कागजात मांगे गए। तो वह टालमटोल करने लगा और कागजात दिखाने में असमर्थ रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम पवन यादव पुत्र पारसनाथ यादव निवासी ग्राम हरिहरपुर धरहरा, थाना चौबेपुर बताया और स्वीकार किया कि वो चोरी की बाइक चला रहा है। जिसे उसने जौहरगंज (गाजीपुर) स्थित मुक्तिधाम से चुराया था। उसने यह भी बताया कि एक और बाइक उसने गोलघर चौराहा से चोरी की थी, जिसे मजार के पीछे छिपा कर रखा है। इसके बाद पुलिस टीम उसके द्वारा बताए गए स्थान पर गई जहाँ उसने दूसरी बाइक छुपा कर रखा था ।जिसे पुलिस की टीम नें बरामद कर लिया।

काशी से निकला नशा मुक्ति का मंत्र, युवा बनेंगे राष्ट्रनिर्मात

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। यदि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो इसकी बुनियाद आज के नशामुक्त, जागरूक और संस्कारित युवाओं के हाथों रखनी होगी। यह संदेश शनिवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर से देशभर के युवाओं के माध्यम से पूरे भारत में गूंज उठा, जब केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा विषय पर आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंच प्राण दृष्टि और अमृतकाल की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इसमें देश के 122 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के 600 से अधिक युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो नशा उन्मूलन और नैतिक पुनर्निर्माण की इस क्रांति का हिस्सा बन रहे हैं। काशी, जो स्वयं शिव की नगरी और सनातन चेतना का केंद्र है, अब नशामुक्त भारत आंदोलन का अग्रदूत बनकर उभरी है। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए डॉ. मांडविया ने स्पष्ट शब्दों में कहा,भारत केवल तब विकसित राष्ट्र बन सकता है, जब इसके युवा नशे, मोबाइल की लत और आभासी रील संस्कृति से खुद को बचाकर समाज व राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागी बनें। उन्होंने चेताया कि केवल शराब, ड्रग्स या अफीम ही नहीं, बल्कि मोबाइल फोन की लत, इंस्टाग्राम रील्स, गेमिंग की व्यसनशीलता भी आज के युवाओं को खोखला कर रही है, जो किसी नशे से कम घातक नहीं। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने जोर देकर कहा,नशा सिर्फ व्यक्तिगत हानि नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय प्रगति का शत्रु है। जब युवा दिशाहीन होते हैं, तो राष्ट्र की दिशा भी डगमगाती है। डॉ. मांडविया ने एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक मंचों को अब नशा विरोधी आंदोलन का हिस्सा बनना चाहिए। मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों और धर्मसभाओं से नशामुक्ति का आह्वान होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक-एक नागरिक को प्रेरित करना है कि वह कम से कम पाँच अन्य युवाओं को इस अभियान से जोड़े। नशा मुक्ति अब केवल एनजीओ का काम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आंदोलन बनना चाहिए। सम्मेलन का समापन 20 जुलाई को ह्यकाशी घोषणा के उद्घोष के साथ होगा। यह दस्तावेज सिर्फ एक संकल्प पत्र नहीं, बल्कि युवाओं और आध्यात्मिक संगठनों के सामूहिक विचार और राष्ट्रीय संकल्प की अभिव्यक्ति होगा। यह नशामुक्त भारत के लिए एक विस्तृत कार्य योजना और दिशानिर्देशक चार्टर के रूप में सरकार, नीति निमार्ताओं, युवा संगठनों और जनप्रतिनिधियों के लिए पथप्रदर्शक बनेगा। सम्मेलन को चार गहन विषयगत सत्रों में विभाजित किया गया है, जो नशामुक्त भारत की नींव को ठोस दिशा देंगे, 1. नशे की आदतः मनोवैज्ञानिक समझ और युवाओं पर प्रभाव. 2. नशे के नेटवर्क और वाणिज्यिक हितों को तोड़ने की रणनीति. 3. प्रभावी जनसंचार, अभियान और जमीनी पहुंच रणनीतियां. 4. 2047 तक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और युवाओं की भूमिका. इन सत्रों में मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, नीति, और संचार विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व नशा पीड़ित युवाओं के अनुभव भी साझा किए जा रहे हैं।

अब हर जनपद में होगा हाईटेक निबंधन कार्यालय, वाराणसी से हुई शुरूआत

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में निबंधन कार्यालय अब किसी आम सरकारी दफ्तर की तरह नहीं, बल्कि तकनीक और सुविधा का नया प्रतीक बनेंगे। प्रदेश के समस्त 380 निबंधन कार्यालयों को अब अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अपने स्थायी भवनों में संचालित किया जाएगा। इस नवाचार की ऐतिहासिक शुरूआत शनिवार को काशी से हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ किया।

जायसवाल ने 18 करोड़ 56 लाख 27 हजार रुपये की लागत से बनने वाले 08 निबंधन कार्यालय भवनों का लोकार्पण व शिलान्यास बटन दबाकर किया। वाराणसी स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित समारोह में मंत्री ने उप निबंधक कार्यालय सगड़ी (आजमगढ़) के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण भी किया, साथ ही चंदौली, श्रावस्ती, जयसिंहपुर, महोली, रामसनेहीघाट, लंभुआ, सवायजपुर समेत अन्य स्थानों पर भवन निर्माण कार्यों का शिलान्यास हुआ। यह योजना केवल भवन निर्माण की नहीं, बल्कि नागरिकों की सुविधा, सम्मान और अधिकारों को मजबूत करने की योजना है। निबंधन कार्यालय अब पुराने ढर्रे से निकलकर नए भारत की डिजिटल व पारदर्शी प्रशासनिक प्रणाली का हिस्सा बनेंगे।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी भवन एक ही रंग योजना में रंगे जाएंगे, जिससे उनकी एक विशेष पहचान होगी। न केवल निर्माण की गुणवत्ता

पर विशेष ध्यान होगा, बल्कि सभी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे। निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन का भी प्रावधान किया गया है। रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच का परिणाम है, जो जनसामान्य की सुविधा, पारदर्शिता और कुशल प्रशासनिक प्रणाली को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर के जिलों से मांग की जा रही थी कि निबंधन कार्यालयों के लिए अलग भवन हों, ताकि नागरिकों को परेशानी न हो और काम समयबद्ध व डिजिटल प्रणाली से हो। मंत्री ने उप निबंधकों को निर्देश दिए कि लोगों से शालीन व्यवहार करें, कार्यों का समय से सरलीकरण के साथ निस्तारण करें और किसी भी तकनीकी या मानव संसाधन की कमी की स्थिति में त्वरित उपाय करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन जिलों में स्टाफ की कमी है, वहां शीघ्र व्यवस्था की जाएगी।

कार्यक्रम में मंत्री ने यह भी ऐलान किया कि प्रदेश के सभी 380 निबंधन कार्यालयों को अब अपने भवन मिलेंगे और इन्हें चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा। बुधवार को लखनऊ में इस योजना का राज्य स्तरीय शिलान्यास भी किया जाएगा, जो निबंधन कार्यालयों के लिए एक नव युग की शुरूआत होगी।

इस योजना का उद्देश्य सिर्फ इमारत खड़ी करना नहीं है, बल्कि रजिस्ट्री कराने आने वाले नागरिकों को एक बेहतर अनुभव देना है। अब नागरिकों को आधुनिक प्रतीक्षालय, डिजिटल टोकन व्यवस्था, महिला व दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं और तकनीकी सहायता जैसी व्यवस्थाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम में धीरेन्द्र कुमार सैनी, राजेश कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह (सभी सहायक महानिरीक्षक निबंधन), ऋचा पांडेय, अनिल कुमार मिश्रा, संतोष कुमार पांडे, राकेश कुमार मिश्रा, अविनाश शर्मा (जिला सूचना विज्ञान अधिकारी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना चन्दवक पुलिस ने दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चन्दवक पुलिस द्वारा दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने से सम्बन्धित 01 वाँछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार किया है। 11 जुलाई 2024 को आवेदिका द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि आवेदिका की पुत्री से मनीष पुत्र अज्ञात ग्राम निवासी अज्ञात, जिससे पहले बात करती थी। चुपके से अश्लील वीडियो बना लिया था। बाद मे दूरी बना लेने पर आवेदिका की पुत्री की अश्लील वीडियो वायरल करने व फोटो लगा कर गन्दे कमेंटस और जान से मारने की धमकी दी गई। प्राप्त प्रार्थना पत्र पर मु0अ0सं0 189/24 धारा 352/351(2) बी.एन.एस. 67 आईटी एक्ट बनाम आरोपी मनीष पुत्र अज्ञात पता के पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान अभियोग में कल्लू पुत्र नशीम निवासी कोपा थाना चन्दवक जनपद जौनपुर का नाम प्रकाश मे आया व धारा 64(2)` बीएनएस 3/4 पाक्सो एक्ट व 3(2) श एससी/एसटी एक्ट की बढोत्तरी की गयी । गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

काशी में गंगा उफनाई, बाढ़ से 727 लोग हुए बेघर, अलर्ट मोड पर प्रशासन

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी में गंगा का बढ़ता जलस्तर एक बार फिर चिंता का विषय बन गया है। सावन की रिमझिम फुहारों के बीच जब शहर शिवमय हो चला है, गंगा का बढ़ता पानी घाटों से होते हुए अब गलियों में प्रवेश करने लगा है। शनिवार को दोपहर 2 बजे तक गंगा का जलस्तर 69.96 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर के बेहद करीब है। यदि यही रफ्तार बनी रही, तो जल्द ही गंगा खतरे का निशान 71.26 मीटर पार कर सकती है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और नगर निगम की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वाराणसी नगर निगम के कर्मचारी और पुलिस बल नावों, राहत पैकेट, चिकित्सा किट और सूचना तंत्र के जरिए दिन-रात जुटे हैं। बढ़ते जलस्तर के चलते दशाश्वमेध, शीतला घाट और

अस्सी घाट तक पानी पहुंच चुका है। गंगा आरती अब अस्थायी मंच या छोटे किनारों से कराई जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग, नागरिक सुरक्षा जवानों की तैनाती, और लाउडस्पीकर से सतर्कता घोषणाएं जारी की गई हैं। वाराणसी विकास प्राधिकरण के मुताबिक, अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है, परंतु सावधानी में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

बता दें, महादेव की नगरी काशी के लिए गंगा केवल एक नदी नहीं, आस्था की अविरल धारा है। लेकिन जब यही धारा उफान पर आती है, तो हजारों परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर देती है। यह बाढ़ कोई नई नहीं, परंतु हर वर्ष नए संकट, नई चुनौतियाँ और नए सबक लेकर आती है। प्रशासन की तात्कालिक कार्रवाई सराहनीय है, पर दीर्घकालीन समाधान की जरूरत अब और अधिक महसूस होती है। स्थायी तटबंध योजना, जल निकासी की आधुनिक व्यवस्था और सामुदायिक चेतना को बढ़ावा दिए बिना बाढ़ की यह समस्या हर सावन की एक त्रासदी बनकर लौटेगी।

जिला प्रशासन ने अब तक 46 बाढ़ राहत शिविर चिन्हित किए हैं, जिनमें से 07 फिलहाल क्रियाशील हैं। ये शिविर प्राथमिक विद्यालयों, मंदिरों और स्कूलों में चलाए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावितों को भोजन, दूध, फल, दवाइयां और ओआरएस जैसी जरूरी राहत सामग्री दी जा रही है।

सरैया निवासी लल्लन यादव कहते हैं, हर साल पानी चढ़ता है, पर पहले से अलर्ट नहीं मिलता। इस बार प्रशासन थोड़ा जल्दी जागा है, पर बिजली-पानी अब भी बाधित है। हूकुलगंज की किराना दुकानदार रीता देवी का कहना है, हमने दुकान खाली कर दी है। दो दिन से दुकान बंद है। एक-एक रुपये की दिक्कत हो रही है। बच्चों का दूध भी मुश्किल से मिल रहा है। ढेलवरिया के राहत शिविर में रुकी चंचल गुप्ता ने कहा, शिविर में जगह है, भोजन भी मिल रहा है, पर शौचालय और नहाने की व्यवस्था न के बराबर है। महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए।